हरिभूमि
विराट भूमि
शहडोल | बुढ़ार | धनपुरी | ब्यौहारी | जयसिंहनगर | बाणसागर

जबलपुर, शुक्रवार 22 मई 2026
login : www.haribhoomi.com

खबर संक्षेप

बालिका संप्रेषण गृह एवं शिवालय शिशु गृह का किया गया त्रैमासिक निरीक्षण

शहडोल। जिले में महिला एवं बाल विकास विभाग अंतर्गत संचालित बाल देखरेख संस्थाओं यथा शासकीय बालिका संप्रेषण गृह एवं शिवालय शिशु गृह का किशोर न्याय अधिनियम 2015 की धारा 54 के तहत गठित जिला स्तरीय निरीक्षण समिति के अध्यक्ष एवं अपर कलेक्टर श्री सरोधन सिंह, सदस्य सचिव जिला कार्यक्रम अधिकारी श्री अखिलेश मिश्रा, सदस्य श्रीमती राखी शर्मा, श्रीमती पुष्पा द्विवेदी, अभिषेक चौकसे, डॉक्टर मुकुंद चतुर्वेदी एवं डॉ. गंगेश टांडिया द्वारा त्रैमासिक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान बालिका संप्रेषण गृह में 5 बालिकाएं एवं शिवालय शिशु गृह में 06 बच्चे निवासरत हैं, जिनके स्वास्थ्य, पोषण, शिक्षा एवं शासन के नियमानुसार दी जा रही सेवाओं की जानकारी ली गई।

आज दीनदयाल रसोई योजना के तृतीय चरण को लेकर बैठक

शहडोल। कलेक्टर डॉ. केदार सिंह के निर्देशानुसार दीनदयाल रसोई योजना के तृतीय चरण के संचालन एवं आवश्यक व्यवस्थाओं को लेकर जिला स्तरीय समन्वय एवं अनुश्रवण समिति की बैठक 21 मई 2026 को अपरान्ह 02 बजे से कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित की जाएगी। जिसमें संबंधित विभागों एवं संस्थाओं के अधिकारियों को अनिवार्य रूप से उपस्थित रहने के लिए कहा गया है। जारी पत्र के अनुसार मध्यप्रदेश शासन, नगरीय विकास एवं आवास विभाग मंत्रालय भोपाल के निर्देशों के तहत गरीब एवं जरूरतमंद व्यक्तियों को सस्ती दरों पर पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराने के उद्देश्य से राज्य शासन द्वारा दीनदयाल रसोई योजना का शुभारंभ एवं विस्तार किया गया है। योजना के तृतीय चरण के अंतर्गत नगरपालिका शहडोल एवं धनपुरी में दीनदयाल रसोई का संचालन किया जाना प्रस्तावित है। नगरपालिका परिषद शहडोल अंतर्गत संचालित रसोई से संबंधित आवश्यक कार्यवाही एवं चर्चा के लिए बैठक आयोजित की जा रही है। बैठक में नगर पालिका परिषद शहडोल, जिला खाद्य विभाग, जिला उद्योग केंद्र, सामाजिक न्याय एवं निःशक्तजन कल्याण विभाग, जिला शहरी विकास अभिकरण, व्यापारी संघ तथा सब्जी मंडी एसोसिएशन के प्रतिनिधियों को आमंत्रित किया गया है।

जनभागीदारी अभियान के तहत किया गया पौधरोपण

शहडोल। कलेक्टर डॉ. केदार सिंह के मार्गदर्शन में विशेष जनजातीय समूहों के कल्याणकारी योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने के उद्देश्य से शासन द्वारा 25 मई तक जिले में व्यापक जन भागीदारी अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के तहत जिले के चयनित 402 धरती आबा ग्रामों में पात्र हितग्राहियों को योजनाओं का लाभ जैसे अन्य कार्य किये जा रहे है। जनभागीदारी अभियान के तहत धरती आबा ग्रामो के छात्रावास एवं विद्यालयो में पर्यावरण के स्वच्छ एवं सुंदर बनाने के लिए कटहल, जामुन, नीम, नींबू आदि के पौधो का रोपण स्थानीय लोगो एवं युवाओ द्वारा किया गया। पौधरोपण से न केवल पर्यावरण का तापमान में गिरावट आएगी बल्कि वसुंधरा भी हरी-भरी होगी।

आज राजस्व अधिकारियो की समीक्षा बैठक

शहडोल। कलेक्टर डॉ. केदार सिंह की अध्यक्षता में राजस्व अधिकारियो की बैठक कलेक्टर कार्यालय के विराट सभागार में 22 मई को दोपहर 12 बजे से आयोजित की गई। बैठक में सीमांकन नामातंरण, शासकीय भूमि के अतिक्रमण पर कार्यवाही, भूमि आवंटन, फार्मर रजिस्ट्री, भू-अर्जन, आर.आर.सी. वसूली, राजस्व वसूली सहित अन्य कार्यो की प्रगति की समीक्षा की जाएगी।

स्वस्थ्य रहें, गर्मी और लू से बचें: कलेक्टर

शहडोल। कलेक्टर डॉ. केदार सिंह ने बढ़ते तापमान को देखते हुए जिले के नागरिकों से गर्मी और लू से बचाव की अपील की है। उन्होंने कहा कि गर्मी के मौसम में ढीले, सूती एवं हल्के रंग के कपड़े पहनें। सीधे धूप में निकलते समय सिर को छाता, टोपी या तौलिये से अवश्य ढंकें तथा जूते या चप्पल पहनकर ही बाहर निकलें। उन्होंने कहा कि घर से बाहर निकलने से पहले भोजन करें और पर्याप्त मात्रा में पानी या ठंडा शरबत पीकर ही बाहर जाएं।

शहडोल में धड़ल्ले से चल रहीं दर्जनों अवैध पैथोलॉजी, मरीजों की जिंदगी से खिलवाड़!

हाईकोर्ट के आदेश को सीएमएचओ ने दिखाया ठेंगा

शहडोल।

जिले की स्वास्थ्य व्यवस्था और स्वास्थ्य महकमे के मुखिया, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी (सीएमएचओ) की कार्यप्रणाली इस वक्त गंभीर सवालों के घेरे में है।

माननीय उच्च न्यायालय (हाईकोर्ट) द्वारा पैथोलॉजी जांच के नाम पर चल रहे अवैध धंधे को बंद कराने के सख्त निर्देशों को बीते कई महीने हो चुके हैं, लेकिन जिला मुख्यालय सहित पूरे अंचल में यह काला कारोबार बदस्तूर जारी है। ऐसा प्रतीत होता है कि शहडोल सीएमएचओ ने हाईकोर्ट के ऐतिहासिक जनहितैषी आदेश को ठंडे बस्ते में डाल दिया है। जिले में बिना पात्रता और बिना योग्य डॉक्टरों के दर्जनों से अधिक पैथोलॉजी सेंटरों की दुकानें बेखौफ चल रही हैं, जहां मरीजों के धन और तन दोनों की सरेआम बर्बादी हो रही है।

डॉक्टर लाल के नाम पर फर्जीवाड़ा

हैरानी और घोर लापरवाही की पराकाष्ठा तो यह है कि वर्तमान में जिला मुख्यालय में डॉक्टर लाल के नाम पर धड़ल्ले से पैथोलॉजी रिपोर्ट बांटी जा रही हैं। बिना किसी जांच-पड़ताल और नियम-कायदों को ताक पर रखकर तैयार की जा रही इन रिपोर्टों पर सीएमएचओ कार्यालय की रहस्यमयी चुप्पी कई तरह के संदेहों को जन्म दे रही है। शहर में खुलेआम चल रहे इस फर्जीवाड़े पर कार्रवाई न होना यह साफ दर्शाता है कि कहीं न कहीं प्रशासनिक

जांच फर्जी, इलाज मर्जी... साहब मौन, रक्षक कौन?

अधिकारियों और इन अवैध सेंटर संचालकों के बीच कोई गहरा गठजोड़ काम कर रहा है।

तकनीशियनों के भरोसे मकडज़ाल

हाईकोर्ट के आदेश की मंशा और चिकित्सा नियमों के अनुसार, पूरे शहडोल जिले में वर्तमान डॉक्टरों की स्थिति को देखा जाए तो केवल 8 डॉक्टर ही पैथोलॉजी लैब संचालित करने की वैध पात्रता रखते हैं, लेकिन हकीकत यह है कि जिले में दर्जनों से भी ज्यादा सेंटर मौत का यह खेल खेल रहे हैं।

हाईकोर्ट का कड़ा रुख

न्यायालय ने स्पष्ट किया था कि किसी भी निजी प्रयोगशाला का संचालन केवल तकनीशियन या साधारण एमबीबीएस डॉक्टर नहीं कर सकते। इसके लिए मध्य प्रदेश आयुर्वेद परिषद अधिनियम, 1987 के तहत पंजीकृत और विशेषज्ञ पैथोलॉजिस्ट होना अनिवार्य है। दूसरे शहरों के विजिटिंग डॉक्टरों के नाम पर भी लैब नहीं चलाई जा सकती, लेकिन शहडोल में सीएमएचओ की नाक के नीचे सिर्फ तकनीशियन ही खुद डॉक्टर बनकर जांच रिपोर्ट साइन कर रहे हैं।

गलत रिपोर्ट, गलत इलाज

सीएमएचओ की निष्क्रियता के कारण आज आधा से ज्यादा जिला इन अवैध पैथोलॉजी के मकडज़ाल में फंसा हुआ है। सूत्रों के मुताबिक, शहडोल में संचालित दर्जनों लैब्स के पास न तो वैध लाइसेंस है और न ही प्रशासन की अनुमति। बिना विशेषज्ञता के तैयार की गई इन अशुद्ध और गलत रिपोर्टों के आधार पर मरीजों का गलत इलाज हो रहा है, जिससे उनका रोग ठीक होने के बजाय और घातक रूप ले रहा है। सरकारी दावों के उलट, स्वास्थ्य विभाग खुद मरीजों को मौत के मुंह में धकेलने वाले इन सेंटरों को संरक्षण दे रहा है।

कार्रवाई का नामोनिशान नहीं, फाइलों में दफन आदेश

हाईकोर्ट ने अपने निर्देश में साफ कहा था कि नए नियमों का उल्लंघन करने वाले सेंटरों को तत्काल सील किया जाए और उन पर भारी जुर्माना लगाया जाए। इस आदेश को लागू कराने की पूरी जिम्मेदारी सीएमएचओ स्तर की थी, लेकिन आदेश आने के बाद से आज तक जिले में एक भी प्रभावी कार्रवाई या निरीक्षण अभियान नहीं चलाया गया। सब कुछ जानते हुए भी आंखें मूंदे बैठे मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी की यह निष्क्रियता आम जनता की जान पर भारी पड़ रही है। जनता अब सीधे स्वास्थ्य विभाग के मुखिया से सवाल कर रही है कि आखिर इन अवैध दुकानों पर ताला कब लटकेगा?

दवा दुकानें बंद रख पीएम मोदी को भेजा अल्टीमेटम

शहडोल में केमिस्टों की महाहड़ताल

शहडोल।

इंटरनेट के जरिए धड़ल्ले से चल रहे अवैध ऑनलाइन दवा कारोबार और क्विक कॉमर्स कंपनियों की तानाशाही के खिलाफ जिला दवा विक्रेता संघ शहडोल ने आर-पार की जंग छेड़ दी है। ऑल इंडिया आर्गेनाइजेशन ऑफ केमिस्ट्स एंड ड्रगिस्ट्स और राज्य संगठन के आह्वान पर आज 20 मई 2026 को जिले भर के केमिस्ट और दवा विक्रेताओं ने अपनी दुकानें पूरी तरह बंद रखकर एक दिवसीय ऐतिहासिक सांकेतिक हड़ताल की। गहरे आक्रोश के बीच दवा व्यापारियों ने स्थानीय प्रशासन के माध्यम से देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को एक तीखा और सख्त ज्ञापन सौंपकर तत्काल इस अवैध खेल को बंद कराने की मांग की है।

जनस्वास्थ्य से सरेआम खिलवाड़- जिला दवा विक्रेता संघ के अध्यक्ष उमेश कुमार पाण्डेय, सचिव संदीप चपरा और कोषाध्यक्ष शरद शर्मा के नेतृत्व में सौंपे गए ज्ञापन में ऑनलाइन कंपनियों के खिलाफ गंभीर आरोप लगाए गए हैं। केमिस्टों का कहना है कि बिना किसी स्पष्ट वैधानिक प्रावधान के ये ऑनलाइन कंपनियां फर्जी ई-प्रिस्क्रिप्शन और बिना किसी डॉक्टर के परामर्श के घर-घर घातक दवाएं पहुंचा रही हैं। चंद रुपयों के लालच में मरीजों को डीप डिस्काउंटिंग और प्रेडेटरी प्राइसिंग का लालच देकर उनके स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ किया जा रहा है। यह धंधा न केवल करोड़ों मरीजों की जान जोखिम में डाल रहा है, बल्कि देश के लाखों छोटे लाइसेंसधारी केमिस्टों के अस्तित्व पर भी सीधा काल बनकर मंडरा रहा है।

कोविड के नियमों का खुला दुरुपयोग, निरस्त हों पुराने नियम- दवा संघ ने सीधे तौर पर कानून की धज्जियां उड़ाने का आरोप लगाते हुए कहा कि ड्रग्स एंड कॉस्मेटिक्स एक्ट, 1940 में ऑनलाइन बिक्री का कोई नियम नहीं है। कोरोना काल की आपातकालीन परिस्थितियों में जारी की गई अधिसूचना जीएसआर 220(ई) का ये कंपनियां आज भी बेजा फायदा उठा रही हैं और अनियंत्रित होम डिलीवरी कर रही हैं।

दवा विक्रेताओं की प्रमुख मांगें- ऑनलाइन दवा बिक्री और बिना सत्यापन के हो रही होम डिलीवरी पर तुरंत पूर्ण प्रतिबंध लगे। अप्रासंगिक हो चुके नियमों और जीएसआर 220(ई) को तत्काल प्रभाव से वापस लिया जाए। ऑनलाइन प्लेटफॉर्म्स की तानाशाही और प्रेडेटरी प्राइसिंग नीति पर रोक लगाई जाए।

रीढ़ को तोड़ने की कोशिश बर्दाश्त नहीं - हड़ताल के दौरान संभागीय पदाधिकारी राजेश गुप्ता, सुभाष वाधवानी और सुनील गुप्ता सहित अन्य व्यापारियों ने कड़े लहजे में कहा कि कोरोना जैसी भयंकर महामारी में जब सब घरों में कैद थे, तब इन्हीं छोटे केमिस्टों ने देश की स्वास्थ्य व्यवस्था को संभाला था। आज सरकार की नाक के नीचे उनका हक मारा जा रहा है। दवा विक्रेताओं ने दोटूक चेतावनी दी है कि यदि इस अवैध ऑनलाइन व्यापार पर सरकार ने तुरंत नकेल नहीं कसी, तो यह सांकेतिक हड़ताल जल्द ही अनिश्चितकालीन देशव्यापी उग्र आंदोलन में तब्दील हो जाएगी।

अपात्रों और शादीशुदा दुल्हनों पर लुटाई सरकारी रेवड़ी

अध्यक्ष आकांक्षी सिंह ने खोला मोर्चा

शहडोल।

मुख्यमंत्री कन्या सामूहिक विवाह योजना जैसी पुनीत और महत्वाकांक्षी योजना को ब्योहारी जनपद पंचायत के भ्रष्ट तंत्र ने अपनी अवैध कमाई का जरिया बना लिया है। गरीबों के हक पर डाका डालते हुए जिम्मेदार अधिकारियों ने न सिर्फ अपात्रों को रेवड़ियां बांटी, बल्कि उन महिलाओं को भी दुल्हन बनाकर सरकारी लाभ दिला दिया जो पहले से शादीशुदा हैं और जिनके बच्चे भी हैं। इस फर्जीवाड़े का भंडाफोड़ किसी और ने नहीं, बल्कि खुद जनपद पंचायत ब्योहारी की अध्यक्ष श्रीमती आकांक्षी सिंह ने किया है। उन्होंने इस पूरे घोटाले की परतें उघाड़ते हुए शहडोल कलेक्टर को सीधे शिकायती पत्र सौंपकर दोषी अधिकारी के खिलाफ तत्काल प्राथमिकी दर्ज कराने और जांच की मांग की है। इस खुलासे के बाद पूरे प्रशासनिक अमले में हडक़ंप मच गया है।

समग्र विकास पेंशन अधिकारी पर गंभीर आरोप

जनपद अध्यक्ष द्वारा कलेक्टर को भेजे गए आधिकारिक पत्र में सीधे तौर पर जनपद पंचायत ब्योहारी में पदस्थ समग्र विकास पेंशन अधिकारी संदीप कुमार श्यामले को इस पूरे सिंडिकेट का मास्टरमाइंड बताया गया है। शिकायती पत्र के अनुसार, 19 अप्रैल 2026 को ग्राम उकसा बगीचा ग्राम पंचायत रसपुर में मुख्यमंत्री कन्या सामूहिक विवाह योजना के तहत विवाह संपन्न कराए गए थे। इस कार्यक्रम के दौरान नियमों को बेरहमी से ताक पर रखकर केवल चहेतों को लाभ पहुंचाने के लिए जमकर धांधली की गई।

बिना बीपीएल और पहले से विवाहितों को मिला लाभ

अध्यक्ष आकांक्षी सिंह ने पत्र में भ्रष्टाचार के जो बिंदु उजागर किए हैं, वे चौकाने वाले हैं। शासन के स्पष्ट निर्देश हैं कि योजना का लाभ केवल गरीबी रेखा (बीपीएल) के नीचे जीवनयापन करने वाले परिवारों को ही मिलेगा, लेकिन साहब ने बिना बीपीएल कार्ड वाले अमीर और अपात्र हितग्राहियों की फाइलें पास कर दीं। हद तो तब हो गई जब अपात्रों को लाभ पहुंचाने के उद्देश्य से 16 ऐसे आवेदन पत्रों को हरी

झंडी दे दी गई, जिन पर संबंधित ग्राम पंचायत के सरपंच, सचिव, रोजगार सहायक या आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं के हस्ताक्षर तक नहीं थे। भ्रष्टाचार की पराकाष्ठा देखिए, कुछ ऐसी महिलाएं जो पहले से विवाहित थीं और जिनके बच्चे भी हैं, उन्हें भी कागजों में कुंवारी कन्या दिखाकर योजना का मोटा लाभ दे दिया गया। यह सीधे तौर पर सरकारी खजाने की डकैती है।

पंजीयन रजिस्टर में हेराफेरी

विभागीय जांच से बचने के लिए पंजीयन रजिस्टर में गंभीर जालसाजी की गई। जो गरीब पात्र हितग्राही निर्धारित तिथि से पहले आवेदन लेकर आए थे, उनके सीरियल नंबर को पीछे ढकेल कर उन्हें अपात्र घोषित कर दिया गया। वहीं, जो रसूखदार और अपात्र लोग तय तारीख के बाद आए, उन्हें लाभ पहुंचाने के लिए सीरियल नंबर में आगे कर दिया गया। ताज्जुब की बात यह है कि पंजीयन रजिस्टर में किसी भी आवेदन की प्राप्ति तिथि तक अंकित नहीं की गई, ताकि यह अंधेरगर्दी पकड़ी न जा सके।

जांच कर दोषी कर्मचारी को भेजो जेल

जनपद अध्यक्ष ने मामले की प्रतिलिपि मुख्य कार्यपालन अधिकारी (सीईओ) जिला पंचायत, उपसंचालक सामाजिक न्याय विभाग तथा एसडीएम ब्योहारी को भेजकर इस पूरे फर्जीवाड़े की उच्च स्तरीय निष्पक्ष जांच की मांग की है। उन्होंने कहा है कि गरीबों के हक की राशि डकारने वाले भ्रष्ट अधिकारी संदीप कुमार श्यामले और इस खेल में शामिल अन्य सह-आरोपियों के खिलाफ कड़ी दंडात्मक कार्रवाई की जाए। अब देखना यह है कि जिला प्रशासन इस महापाप के दोषियों पर कब कानूनी हंटर चलाता है या फिर यह फाइल भी रसूख की अलमारी में दफन हो जाएगी।

तालाब की साफ-सफाई कर दिया गया जल संरक्षण का संदेश

शहडोल।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कुशल मार्गदर्शन एवं मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में मध्यप्रदेश में जल के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए जल गंगा संवर्धन अभियान चलाया जा रहा है। जल गंगा संवर्धन अभियान जनभागीदारी से जनांदोलन बन चुका है।

जल ही जीवन है यह केवल एक वाक्य नही, बल्कि हमारी पृथ्वी का आधार है। हर बूंद हमारे अस्तित्व से जुड़ी है। जल की हर बूंद का संरक्षण मध्यप्रदेश सरकार का प्रण है। जल की हर बूंद की अहमियत समझते हुए जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत किये गए कार्यों में सकारात्मक एवं प्रभावशाली परिणाम परिलक्षित हो रहें। जल के संरक्षण, संवर्धन एवं जल के प्रति जनमानस में जागरूकता बढ़ाने के उददेश्य से जल गंगा संवर्धन अभियान शहडोल जिले में प्रगति पर है। जल गंगा संवर्धन अभियान द्वितीय चरण के अंतर्गत जल स्त्रोत सेवा समागम कार्यक्रम में ग्राम देवरी-2 में संभागीय समन्वयक जन अभियान परिषद श्री भीम सिंह डामोर एवं जिला समन्वयक श्री विवेक पाण्डेय, नवांकुर संस्था वीर सावरकर सेवा समिति के सदस्यो द्वारा तालाब की साफ-सफाई कर जल संरक्षण का संदेश दिया गया। इस अवसर पर नवांकुर संस्था के अध्यक्ष मुकेश केवट, मेंटर्स मुकेश पाठक, ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति देवदहा, सीएम सीएमएलडीपी के छात्र-छात्राएं ने भी सहभागिता निभाई।

शहडोल के हस्तशिल्प उत्पादों को मिलेगा नया बाजार

ऑनलाइन पोर्टल पर उपलब्ध होंगे छतवई के कालीन और गोंडी पेंटिंग

शहडोल।

कुटीर एवं ग्रामोद्योग राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दिलीप जायसवाल ने कहा है कि शहडोल जिले के छतवई स्थित संत रविदास हस्तशिल्प एवं हथकरघा विकास निगम केंद्र को पुनः सक्रिय कर स्थानीय कारीगरों और महिलाओं को रोजगार से जोड़ा जा रहा है। राज्यमंत्री श्री जायसवाल ने कहा कि मार्च 2026 में छतवई में प्रशिक्षण केंद्र का शुभारंभ हुआ था। अब यहां कालीन बुनाई, गोंडी पेंटिंग और मूर्तिकला की ट्रेनिंग नियमित रूप से चल रही है। शहडोल के पारंपरिक शिल्प को संरक्षित कर उसे बाजार और तकनीक से जोड़ा जा रहा है।

ट्रेनिंग और उत्पादन शुरू

डीएमएफ मद 2024-25 के तहत फंड मिलने के बाद छतवई केंद्र में ट्रेनिंग बैच शुरू हो चुके हैं। आसपास के 2-3 गांवों की महिलाएं और बुनकर नियमित रूप से कालीन और गोंडी पेंटिंग का काम कर रही हैं। तैयार उत्पाद बांधवगढ़ स्थित सेल काउंटर पर बिक्री के लिए उपलब्ध हैं।

ऑनलाइन बिक्री के लिए पोर्टल की घोषणा

कुटीर एवं ग्रामोद्योग विभाग शहडोल के हस्तशिल्प और हथकरघा उत्पादों की बिक्री के लिए ऑनलाइन पोर्टल तैयार करेगा। इस पर छतवई में बने कालीन, गोंडी पेंटिंग, मूर्तियां और अन्य उत्पादों की जानकारी और मूल्य प्रदर्शित होंगे, ताकि उत्पाद देश-विदेश तक पहुंच सकें। साथ ही राज्य स्तर पर मुख्यमंत्री द्वारा लॉन्च किया गया मृगनयनी ई-कॉमर्स पोर्टल भी मध्यप्रदेश के शिल्पियों को ग्लोबल बाजार से जोड़ेगा।

शिल्पकारों को मिलेगा स्थायी रोजगार

छतवई का केंद्र 1989 में स्थापित हुआ था और 2006 तक सक्रिय रूप से काम करता रहा। 2006 के बाद कुछ समय तक गतिविधियों की गति धीमी रही, लेकिन अब डीएमएफ योजना 2024-25 के तहत पुनः फंड मिलने से केंद्र ने नई गति पकड़ी है। यहां तैयार कालीन पहले मलेशिया तक भेजी जा चुकी है और मध्यप्रदेश विधानसभा में भी लगाई गई हैं। राज्यमंत्री श्री जायसवाल ने कहा कि महिलाओं का हुनर ही आत्मनिर्भर मध्यप्रदेश की नींव है। ऑनलाइन प्लेटफॉर्म शुरू होने के बाद हमारे कारीगरों को निरंतर काम मिलेगा, आय बढ़ेगी और शहडोल की पहचान देशभर में बनेगी। उन्होंने विभाग को निर्देश दिए हैं कि पोर्टल का काम शीघ्रता से पूरा किया जाए।

आज उज्जैन रवाना होगी जिला बास्केटबॉल संघ की 14 वर्ष बालिका टीम

शहडोल।

जिला बास्केटबॉल संघ की 14 वर्ष बालिका टीम ओपन स्टेट बास्केटबॉल प्रतियोगिता में हिस्सा लेने के लिए 22 मई को उज्जैन के लिए रवाना होगी। यह प्रतियोगिता 23 मई 2026 से 26 मई 2026 तक उज्जैन में आयोजित की जाएगी।

जिला बास्केटबॉल संघ की टीम हर वर्ष राज्य स्तरीय प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर जिले का नाम रोशन करती रही है। पिछले कई वर्षों में टीम ने मध्यप्रदेश स्तर पर प्रथम एवं द्वितीय स्थान प्राप्त कर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया है। इस वर्ष भी टीम से शानदार प्रदर्शन की उम्मीद जताई जा रही है। टीम के कोच राष्ट्रीय कोच के.के. श्रीवास्तव के

मार्गदर्शन में खिलाड़ी प्रतियोगिता में भाग लेंगी। टीम में आराध्या द्विवेदी, दाक्षी सिंह, आराध्या यादव, एंजेल साकेत, दृष्टि वशिष्ठ, अलीना खान, अद्विक खंडेलिया, अन्वी अग्रवाल, अन्वेष मिश्रा, अक्षरा बर्मन, शानवी गुप्ता एवं अवनी पॉल शामिल हैं। टीम मैनेजर की जिम्मेदारी शिप्रा द्विवेदी, अनुष्का कारागंले एवं शुभांगी अग्रवाल निभाएंगी।

गौरतलब है कि वर्ष 2025 में इंदौर में आयोजित 14 वर्ष बालिका ओपन स्टेट बास्केटबॉल प्रतियोगिता में शहडोल संभाग की टीम ने इंदौर, भोपाल, ग्वालियर, जबलपुर एवं सागर जैसी मजबूत टीमों को हराकर फाइनल में प्रवेश किया था तथा इंदौर ए टीम से मुकाबले में उपविजेता बनने का गौरव हासिल किया था। जिला बास्केटबॉल संघ के सभी सदस्यों एवं खेल प्रेमियों ने टीम को बेहतर प्रदर्शन के लिए शुभकामनाएं दी हैं।

खाकी शर्मसार: पुलिस को चकमा देकर संदेही फरार ,टीआई समेत तीन पर गिरी गाज

उमरिया।

जिले के कानून व्यवस्था की उस वक्त धज्जियां उड़ गईं, जब इंदवार थाना परिसर से पुलिस अभिरक्षा में रखा गया एक संदेही खाकी को सरेआम ठेंगा दिखाकर रफूचक्कर हो गया। इस दुस्साहसिक घटना ने न सिर्फ पुलिस महकमे की सजगता की पोल खोल दी है, बल्कि सुरक्षा व्यवस्था पर भी गंभीर सवालिया निशान खड़े कर दिए हैं। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस कप्तान के निर्देश पर तत्काल प्रभाव से निलंबन का हंटर चला है। निलंबित होने वालों में इंदवार थाना प्रभारी विजय पाटले, सब इंस्पेक्टर अमर बहादुर सिंह और एएसआई सूर्य बहादुर सिंह शामिल हैं। इस बड़ी कार्रवाई से पूरे पुलिस महकमे में हडक्रंप मच गया है।

लापरवाही पर चला हंटर

मामले की पुष्टि करते हुए एडिशनल एसपी सीताराम सत्य ने कड़ा रुख अख्तियार किया है। उन्होंने साफ शब्दों में कहा कि पुलिस अभिरक्षा में इस तरह की घोर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। प्राथमिक जांच में दोषी पाए जाने पर थाना प्रभारी, एक सब-इंस्पेक्टर और एक एएसआई को तत्काल सस्पेंड कर दिया गया है। इसके साथ ही मामले की उच्च स्तरीय विभागीय जांच भी शुरू कर दी गई है ताकि यह बेनकाब हो सके कि आखिर इतनी टाइट सिक्योरिटी के बीच संदेही पुलिस की नाक के नीचे से कैसे भाग निकला।

लूटकांड की कड़ियों से जुड़ा था मामला

इस पूरे घटनाक्रम की जड़ें 10 मई को पाली थाना क्षेत्र के घुनघुटी अंतर्गत ग्राम चौरी में हुई सनसनीखेज लूट से जुड़ी हैं, जहां एक सराफा व्यापारी से लाखों रुपये लूट लिए गए थे। तफ्तीश के दौरान पुलिस ने सत्यम बसदेवा (निवासी कटनी) और नागेश बसदेवा (निवासी चिमटा, उमरिया) को दबोचा था। रिमांड के दौरान जब आरोपियों से कड़ाई से पूछताछ की गई, तो उन्होंने इंदवार थाना क्षेत्र के ग्राम पलझा में हुई एक और लूट की वारदात को अंजाम देने की बात कबूल की। इसके बाद इंदवार पुलिस दोनों शातिरों को कोर्ट से रिमांड पर लेकर सच उगलवाने में जुटी थी।

चोरी का माल खपाने का था शक

आरोपियों की निशानदेही पर पुलिस ने कटनी जिले के बरही निवासी बंटी ताम्रकार उम्र 35 वर्ष को हिरासत में लिया था। पुलिस को शक था कि बंटी ही लूट और चोरी के जेवरातों को ठिकाने लगाने वाला मुख्य खरीदार है, लेकिन बुधवार को पूछताछ के दौरान जो हुआ, उसने पुलिस की कार्यप्रणाली को कटघरे में खड़ा कर दिया। संदेही बंटी ताम्रकार शातिराना अंदाज में पुलिसकर्मियों की आंखों में धूल झोंककर थाना परिसर से ही रफूचक्कर हो गया।

थानों में मची अफरा-तफरी

संदेही के भागते ही इंदवार थाने में मानो सांप सूंघ गया। आनन-फानन में वरिष्ठ अधिकारियों को सूचना दी गई और पूरे जिले सहित आस-पास के जिलों में नाकाबंदी कराई गई। फरार संदेही की गिरफ्तारी के लिए पुलिस की अलग-अलग टीमें गठित कर संभावित ठिकानों पर छापेमारी की जा रही है। आला अधिकारियों का दावा है कि आरोपी जल्द ही सलाखों के पीछे होगा, लेकिन इस घटना ने यह साफ कर दिया है कि जब थाने के भीतर ही आरोपी महफूज नहीं हैं, तो आम जनता की सुरक्षा भगवान भरोसे है।

अवैध शराब कारोबार पर आबकारी विभाग की बड़ी कार्रवाई

26 हजार की शराब और लाहन जब्त

उमरिया। कलेक्टर श्रीमती राखी सहाय के निर्देश पर जिले में अवैध मदिरा के संग्रहण एवं विक्रय के खिलाफ आबकारी विभाग लगातार कार्यवाही कर रहा है।आबकारी वृत्त उमरिया द्वारा विभिन्न स्थानों पर दबिश देकर बड़ी मात्रा में अवैध शराब और लाहन जब्त किया गया। वृत्त प्रभारी दिनकर सिंह तिवारी के नेतृत्व में की गई कार्रवाई के दौरान घघराड निवासी सतीश गुप्ता के कब्जे से 28 पाव प्लेन शराब, 12 केन बीयर एवं बीयर बोतलें बरामद की गईं। वहीं रामफल सेन के पास से 12 पाव प्लेन शराब जब्त की गई। इसके अलावा सुखिया प्रजापति के कब्जे से 5 लीटर हाथ भट्टी शराब, नैगवां टोला में महेश बर्मन से 6 लीटर तथा संजय कुमार बर्मन से 4 लीटर हाथ भट्टी शराब जब्त की गई। लालपुर निवासी दुर्गा बाई के पास से 2 लीटर हाथ भट्टी शराब एवं 60 किलोग्राम लाहन बरामद हुआ। वहीं वर्षा कोल के कब्जे से 60 किलोग्राम लाहन और 2 लीटर हाथ भट्टी शराब तथा रमपुरी में मंजू बाई के पास से 11 लीटर हाथ भट्टी शराब जब्त की गई। आबकारी विभाग ने कार्रवाई के दौरान कुल 8 प्रकरण दर्ज कर विवेचना में लिए हैं। जब्त अवैध मदिरा और सामग्री की अनुमानित कीमत लगभग 26 हजार रुपये बताई गई है। कार्रवाई में आबकारी आरक्षक कविता सिंह, राजपति प्रजापति,अंजली गौतम एवं जीवन लाल कोल की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

ईदुज्जुहा पर्व शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में मनाने की अपील

अपर कलेक्टर की अध्यक्षता में जिला स्तरीय शांति समिति की बैठक संपन्न

उमरिया। अपर कलेक्टर प्रमोद कुमार सेन की अध्यक्षता में जिला स्तरीय शांति समिति की बैठक कलेक्टर सभागार में आयोजित की गई। बैठक में जिलेवासियों से आगामी ईदुज्जुहा पर्व को शांतिपूर्ण, सौहार्दपूर्ण एवं आपसी भाईचारे के साथ मनाने की अपील की गई। बैठक में जानकारी दी गई कि 28 मई को ईदुज्जुहा का पर्व मनाया जाएगा तथा प्रातः 9 बजे ईदगाह में नमाज अदा की जाएगी। अपर कलेक्टर ने मुख्य नगर पालिका अधिकारी को निर्देश दिए कि नगर क्षेत्र का भ्रमण कर आवश्यक साफ-सफाई सुनिश्चित की जाए तथा मस्जिदों एवं ईदगाह में पेयजल की पर्याप्त व्यवस्था टैंकरों के माध्यम से कराई जाए। साथ ही ईदगाह पहुंच मार्गों की साफ-सफाई, विद्युत व्यवस्था, नमाज स्थल पर टेंट एवं बैठक व्यवस्था तथा आवारा पशुओं की रोकथाम हेतु आवश्यक कर्मचारियों की तैनाती सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। मुख्य नगर पालिका अधिकारी एवं लोक निर्माण विभाग तथा लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के अधिकारियों को सडक़ों की मरम्मत कराने के निर्देश भी दिए गए।

बैठक में बताया गया कि ईदगाह स्थल पर पुलिस बल की तैनाती पुलिस अधीक्षक उमरिया के माध्यम से की जाएगी। इसके अतिरिक्त सगरा मंदिर एवं कलेक्ट्रेट परिसर के पीछे पुलिस बल की विशेष तैनाती, ट्रैफिक व्यवस्था तथा पर्व के पूर्व दिवस की शाम एवं रात्रि में असामाजिक तत्वों एवं शराबियों पर निगरानी रखी जाएगी। धार्मिक सौहार्द बिगाडऩे वाले किसी भी कृत्य को रोकने हेतु सतत पुलिस निगरानी सुनिश्चित की जाएगी।

शांति समिति की बैठक के माध्यम से नागरिकों से अपील की गई कि कुर्बानी के अवशेषों का खुले में निस्तारण न करें, बल्कि पर्यावरण अनुकूल तरीके से गड्ढा खोदकर उनका उचित निपटान करें। मीट मार्केट के व्यापारियों को भी अवशेषों के वैज्ञानिक एवं स्वच्छ निपटान के निर्देश दिए गए। यह भी निर्देशित किया गया कि किसी भी प्रकार का अवशेष जल स्त्रोतों में न डाला जाए। जल स्त्रोतों की निगरानी हेतु पुलिस बल की तैनाती की जाएगी। अनुविभागीय अधिकारी राजस्व, तहसीलदार एवं नायब तहसीलदारों को अपने-अपने क्षेत्रों में कानून एवं शांति व्यवस्था बनाए रखने की जिम्मेदारी सौंपी गई। बैठक में कार्यपालन यंत्री एमपीईबी को निर्देश दिए गए कि त्यौहार के दौरान निर्बाध विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित की जाए। ईदगाह एवं अन्य स्थलों पर झूलते विद्युत तारों की समस्या का निराकरण तथा पेड़ों की छंटाई का कार्य आमजन को पूर्व सूचना देकर ही किया जाए। बैठक में शांति समिति के सदस्यों द्वारा विभिन्न सुझाव भी प्रस्तुत किए गए। इस अवसर पर संयुक्त कलेक्टर रीता डेहरिया, एसडीएम बांधवगढ़ अंबिकेश प्रताप सिंह, मुख्य नगर पालिका अधिकारी किशन सिंह सहित शांति समिति के सदस्य उपस्थित रहे।

प्रेक्षक 22 से 26 मई तक रहें जिले के भ्रमण पर

प्रेक्षक हेतु नियुक्त किया गया लाइजिंग आफिसर एवं स्टेनो

शहडोल। म.प्र. राज्य निर्वाचन आयोग भोपाल द्वारा जिला शहडोल की नगरपालिकाओं एवं त्रिस्तरीय पंचायतों की फोटोयुक्त मतदाता सूची के वार्षिक पुनरीक्षण 2026 की कार्यवाही के प्रेक्षण हेतु श्री नीरज दुबे सेवा निवृत्त भारतीय प्रशासनिक सेवा को शहडोल जिले का प्रेक्षक नियुक्त किया गया है। प्रेक्षक जिले के नगरीय निकाय, पंचायतों की मतदाता सूची पुनरीक्षण के पर्यवेक्षण कार्य हेतु 22 मई 2026 से दिनांक 26 मई 2026 तक जिले के भ्रमण पर रहेगें। अपर कलेक्टर एवं उप जिला निर्वाचन अधिकारी द्वारा प्रेक्षक के सहयोग के लिए श्री आनन्द अग्रवाल, परियोजना अधिकारी महिला बाल विकास परियोजना सोहागपुर शहडोल मो. 9425809597 को लाइजनिंग ऑफिसर एवं श्री उमाकांत वर्मा, कार्यालय अधीक्षण यंत्री जलसंसाधन मण्डल शहडोल को स्टेनो नियुक्ति किया है।

एसडीएम बांधवगढ़ ने उमरार जलाशय का किया निरीक्षण

मत्स्याखेट करने वाली समिति के सदस्यों को दिए सुरक्षा संबंधी आवश्यक निर्देश

उमरिया। एसडीएम बांधवगढ़ अंबिकेश प्रताप सिंह एवं मत्स्य निरीक्षक जी.एस. लाल द्वारा संयुक्त रूप से उमरार जलाशय का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान जलाशय में मत्स्य आखेट कार्य कर रही मछुआ सहकारी समिति मर्यादित उमरिया के सदस्यों को सुरक्षा संबंधी आवश्यक निर्देश दिए गए।

एसडीएम बांधवगढ़ श्री सिंह ने समिति सदस्यों को मत्स्य आखेट के दौरान सुरक्षा उपकरणों, विशेष रूप से लाइफ जैकेट का अनिवार्य रूप से उपयोग करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि शासन द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का पूर्ण पालन सुनिश्चित किया जाए, ताकि किसी भी अप्रिय घटना से बचाव हो सके तथा मछुआरों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। समिति सदस्यों ने एसडीएम के निर्देशों का पालन करने की सहमति व्यक्त की।

निरीक्षण के दौरान मत्स्य निरीक्षक जी.एस. लाल ने समिति सदस्यों को नवीन "एकीकृत मत्स्य उद्योग नीति 2026" की जानकारी देते हुए जलाशय में केज स्थापना संबंधी आवश्यक जानकारी प्रदान की। साथ ही उन्होंने अधिक से अधिक आवेदन प्रस्तुत करने हेतु समिति सदस्यों को प्रोत्साहित किया।

अवैध रेत परिवहन करते 1 ट्रैक्टर-ट्रॉली जप्त

उमरिया। कलेक्टर श्रीमती राखी सहाय के निर्देशन में खनिजों के अवैध उत्खनन, परिवहन एवं भंडारण की रोकथाम हेतु लगातार कार्रवाई की जा रही है। खनि अधिकारी डॉ. विद्याकांत तिवारी, सहायक खनि अधिकारी दिवाकर चतुर्वेदी, खनि निरीक्षक प्रभात कुमार पट्टा एवं प्रभारी खनि निरीक्षक एन.एस. आर्मो की टीम द्वारा सतत भ्रमण एवं सघन जांच अभियान संचालित किया जा रहा है। इसी क्रम में तहसील मानपुर अंतर्गत ग्राम रथेली में कार्रवाई करते हुए एक ट्रैक्टर महिन्द्रा अर्जुन 605 डीआई पीपी मय ट्रॉली को अवैध रेत परिवहन करते हुए जप्त किया गया। वाहन चालक मोतीलाल सिंह गोंड पिता महाबली सिंह गोंड निवासी ग्राम रथेली, तहसील मानपुर, जिला उमरिया द्वारा बिना रॉयल्टी रसीद एवं बिना ईटीपी के खनिज रेत का परिवहन किया जा रहा था।

खनिज अमले ने वाहन को जप्त कर थाना कोतवाली उमरिया में अभिरक्षार्थ खड़ा कराया है। मामले में म.प्र. खनिज (अवैध खनन, परिवहन तथा भंडारण का निवारण) नियम 2022 के तहत प्रकरण पंजीबद्ध किया गया है। खनिज विभाग द्वारा कलेक्टर एवं खनि अधिकारी के निर्देशन में जिलेभर में लगातार सघन जांच एवं कार्रवाई जारी है।

ब्यौहारी पुलिस की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल

पति की निर्मम हत्या का आरोप, जेल से छूटे संदेही

शहडोल। जिले के ब्यौहारी थाना क्षेत्र के ग्राम देवरांव में तेन्दूपत्ता कारोबारी तुलसीदास कुशवाहा की संदिग्ध मौत के मामले ने अब तूल पकड़ लिया है। इस पूरे प्रकरण में ब्यौहारी पुलिस की भूमिका पर गंभीर सवालिया निशान खड़े हो रहे हैं। पीड़ित परिवार का सीधा आरोप है कि यह कोई साधारण सडक़ दुर्घटना नहीं, बल्कि सोची-समझी साजिश के तहत की गई निर्मम हत्या है, जिसे पुलिस महकमे के कुछ लोग दबाने का पुरजोर प्रयास कर रहे हैं। न्याय की आस खो चुकी मृतक की बेवा रेणू कुशवाहा ने आखिरकार पुलिस अधीक्षक (एसपी) शहडोल के दफ्तर पहुंचकर इंसाफ की गुहार लगाई है। पीड़िता रेणू कुशवाहा द्वारा एसपी को सौंपे गए शिकायती पत्र के अनुसार, उनके पति तुलसीदास कुशवाहा बीती 10 मई 2026 की शाम को गांव की तरफ निकले थे। अगली सुबह लगभग 6 बजे उनकी लाश घर से 500 मीटर दूर एक नाले में दो पहिया गाड़ी के नीचे दबी हुई मिली। पहली नजर में पुलिस इसे महज एक सडक़ हादसा मानकर चल रही है, लेकिन मृतक के चेहरे और शरीर पर मौजूद गहरे जख्म चिल्ला-चिल्लाकर कह रहे हैं कि उन पर कुल्हाड़ी से जानलेवा वार किया गया है। घटनास्थल के पास से एक लोहे की रॉड भी बरामद हुई थी, जिसे पुलिस ने नजरअंदाज कर दिया।

पुलिसिया जांच पर खड़े हुए कई बड़े सवाल

पीड़िता ने ब्यौहारी पुलिस की तफ्तीश पर गंभीर आरोप लगाते हुए कई चौंकाने वाले खुलासे किए हैं। घटना के तुरंत बाद जब परिजनों ने मौके पर डॉग स्क्वाड बुलाने की मांग की, तो पुलिस ने साफ मना कर दिया। आखिर पुलिस सबूत जुटाने से क्यों कतरा रही थी, मृतक का अपने जेठ रघुनाथ से 20 साल से जमीनी विवाद चल रहा था। शिकायत के बाद पुलिस ने रघुनाथ के दो बेटों रामबहादुर और राजबहादुर को हिरासत में लिया, लेकिन महज 4 घंटे बाद ही उन्हें सांठगांठ कर छोड़ दिया गया। मौके से मिली लोहे की रॉड पर फिंगरप्रिंट की कोई जांच नहीं कराई गई। यही नहीं, मृतक तुलसीदास का मोबाइल फोन पुलिस के हाथ लगते ही उसके सारे वीडियो और जरूरी डेटा डिलीट हो गए। यह डेटा किसने और क्यों मिटाया?

रात के अंधेरे में चमकी थीं कुल्हाड़ियां

शिकायत में यह भी बताया गया है कि जिस रात तुलसीदास लापता हुए, उसी रात करीब 6 अज्ञात नकाबपोश चेहरे पर कपड़ा बांधकर कुल्हाड़ी लहराते हुए उनके घर धमक पड़े थे। मृतक की 22 वर्षीय बेटी शिवानी ने इनमें से तीन लोगों को पहचान भी लिया था, लेकिन खौफ के मारे पूरा परिवार रातभर घर के अंदर दुबका रहा। इस बेहद संवेदनशील मामले में ब्यौहारी पुलिस द्वारा आज दिनांक तक न तो परिजनों के बयान दर्ज किए गए हैं और न ही हत्यारों के खिलाफ कोई सख्त कदम उठाया गया है। हाथ पर हाथ धरे बैठी ब्यौहारी पुलिस के इस ढुलमुल रवैये से दुखी होकर पीड़िता ने अब पुलिस कप्तान से मांग की है कि मामले की निष्पक्ष जांच कराकर दोषियों को तुरंत जेल भेजा जाए। अब देखना यह है कि क्या शहडोल पुलिस इस गरीब बेवा को इंसाफ दिला पाती है या फिर रसूखदारों के दबाव में यह फाइल बंद कर दी जाएगी।

पानी पीने के फेर में दलदल में फंस गई गाय

हरिभूमि न्यूज कोतमा। नगर के वार्ड क्रमांक 4 निगवानी रोड मे केरहा नाला मे बने डैम मे वर्तमान मे पानी सूख गया है कुछ जगह मे पानी बचा है जो मिट्टी होने के कारण दलदल का रूप ले लिया है। जिसके कारण हर समय खतरा बना रहता है। विगत दिनों एक गाय पानी पीने के फेर मे सूखे डैम के बीचों-बीच पहुंच गई जो दलदल मे फंस गई।

आसपास के लोगों की जब नजर पड़ी तो नगर पालिका को सूचित किया और गाय को दलदल से निकालने नपा का अमला पहुंचते हुए बड़ी मशक्कत के बाद गाय को बाहर निकाला गया। बता दे कि वर्तमान मे शासन के द्वारा जल गंगा संवर्धन अभियान चलाया जा रहा है जिसके तालाबों की साफ सफाई करवाया जा रहा है लेकिन केरहा डैम की साफ सफाई कार्य नही करवाया गया जबकि डैम मे काफी मात्रा मे गाद जमी हुई है। जबकि इस डैम के पानी का उपयोग आसपास के गरीब तबके के लोगों के द्वारा नहाने के लिए किया जाता है। इसी डैम मे नपा के द्वारा नगर के नालियों का गंदा पानी सीवर के माध्यम से मिलाया जाता है जबकि पूर्व मे नपा के द्वारा एसटीपीसी बनाये जाने का प्रस्ताव शासन को भेजा गया था लेकिन वह प्रस्ताव तक ही सिमट कर रह गया है। गंदा पानी सीबर के माध्यम से मिलाये जाने के कारण डैम का पानी गंदगी मे तब्दील हो गया है। नागरिकों ने केरहा डैम की साफ-सफाई करवायें जाने की मांग की है।

जल, जंगल और जमीन की लड़ाई को लेकर गूंजा पुष्पराजगढ़

गोंडवाना गणतंत्र पार्टी ने सरकार को घेरा

हरिभूमि न्यूज राजेन्द्रग्राम। गोंडवाना गणतंत्र पार्टी युवा मोर्चा द्वारा 20 मई को जनपद पंचायत पुष्पराजगढ़ मैदान में एक दिवसीय धरना प्रदर्शन और ज्ञापन कार्यक्रम आयोजित किया गया रहा है। कार्यक्रम में आदिवासी अधिकार, जल-जंगल-जमीन की सुरक्षा, अवैध शराब बिक्री, पेयजल संकट, सड़क, बिजली और खनन से जुड़े मुद्दों को लेकर सरकार और प्रशासन के खिलाफ आवाज बुलंद की गई है। पार्टी नेताओं ने भाजपा और कांग्रेस पर आदिवासी हितों की उपेक्षा का आरोप लगाते हुए आगामी चुनाव में गोंडवाना गणतंत्र पार्टी को मजबूत करने का आह्वान किया है। पुष्पराजगढ़ में आयोजित गोंडवाना गणतंत्र पार्टी युवा मोर्चा के धरना-प्रदर्शन में बड़ी संख्या में कार्यकर्ता और ग्रामीण शामिल हुए है। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव कुंवर बलवीर सिंह तोमर उपस्थित रहे है। उनके साथ राष्ट्रीय महामंत्री हरेंद्र मार्को, प्रदेश संगठन मंत्री तेज प्रताप उईके, प्रदेश उपाध्यक्ष दुर्गा कोर्राम, युवा मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल धुर्वे, प्रदेश उपाध्यक्ष रवि बैगा, प्रदेश सचिव राजीव गुप्ता, महिला मोर्चा प्रदेश उपाध्यक्ष राज कन्या श्याम, जिला अध्यक्ष चंद्रिका मरकाम एवं युवा मोर्चा जिला अध्यक्ष वीरेंद्र टेकाम सहित कई पदाधिकारी मौजूद रहे है। धरना प्रदर्शन के दौरान नेताओं ने आदिवासी क्षेत्रों में बढ़ते भ्रष्टाचार, अवैध शराब बिक्री, पेयजल संकट, सड़क और बिजली जैसी बुनियादी समस्याओं को प्रमुखता से उठाया है। ज्ञापन में ग्राम पंचायत नौगवां में नल-जल योजना के बावजूद पानी आपूर्ति नहीं होने, क्षेत्र में संचालित स्टोन क्रेशरों द्वारा पर्यावरण नियमों के उल्लंघन, ओवरलोड वाहनों से खराब हो रही सड़कों तथा ग्रामीण इलाकों में बिजली संकट जैसे मुद्दों को शामिल किया गया है। कार्यक्रम में नेताओं ने अपर नर्मदा सिंचाई परियोजना का

भी विरोध किया है। पार्टी पदाधिकारियों का आरोप है कि परियोजना में ग्राम सभाओं की सहमति और पेसा एक्ट के प्रावधानों की अनदेखी की जा रही है। उन्होंने कहा कि आदिवासी समाज अपनी जमीन, संस्कृति और परंपराओं की रक्षा के लिए संघर्ष जारी रखेगा। मुख्य अतिथि कुंवर बलवीर सिंह तोमर ने अपने संबोधन में भाजपा और कांग्रेस दोनों दलों को आदिवासियों के लिए "नासूर" बताते हुए कहा कि वर्षों से आदिवासी समाज केवल आश्वासन सुनता आया है, लेकिन मूल समस्याएं आज भी जस की तस बनी हुई हैं। उन्होंने कार्यकर्ताओं से आगामी चुनाव में गोंडवाना गणतंत्र पार्टी का विधायक चुनकर विधानसभा में मजबूत आवाज भेजने का संकल्प लेने की अपील की है। धरना प्रदर्शन के बाद पार्टी प्रतिनिधिमंडल ने विभिन्न मांगों और समस्याओं से संबंधित ज्ञापन प्रशासन को सौंपा। ज्ञापन में चेतावनी दी गई है कि यदि 15 दिनों के भीतर समस्याओं का समाधान नहीं किया गया तो आंदोलन को और व्यापक रूप दिया जाएगा।

सकोला, श्रमिक नगर सहित कई इलाकों में शराब की पैकारी के आरोप

प्रिंट रेट से अधिक बिक्री और अवैध सप्लाई की शिकायतों पर कार्रवाई की मांग

हरिभूमि न्यूज बदरा/जमुना। कोतमा क्षेत्र में शराब बिक्री व्यवस्था को लेकर स्थानीय लोगों में असंतोष बढ़ता दिखाई दे रहा है नागरिकों ने आरोप लगाया है कि अंग्रेजी शराब दुकान से निर्धारित प्रिंट रेट से अधिक कीमत पर शराब बेचे जाने के साथ-साथ आसपास के मोहल्लों और ग्रामीण क्षेत्रों तक पैकारी (अनधिकृत पुनर्विक्रय) का नेटवर्क सक्रिय है। लोगों का कहना है कि इससे सामाजिक वातावरण प्रभावित हो रहा है और आम नागरिकों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। स्थानीय शिकायतकर्ताओं के अनुसार कोतमा, कोतमा हाईवे क्षेत्र, झिरियाटोला, राजनगर मार्केट, निगवानी, चांका, खमरौध, बेलिया फाटक, गोविंदा, श्रमिक नगर, सकोला, सेमरिया चौराहा सहित कई स्थानों पर शराब की उपलब्धता सामान्य जरूरत के सामान से अधिक आसान होती जा रही है नागरिकों का आरोप है कि दुकानों से खरीदी गई शराब आगे विभिन्न क्षेत्रों में पहुंचाई जा रही है हालांकि इन आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है। स्थानीय लोगों ने यह भी आरोप लगाया कि अवैध पैकारी तक मामला सीमित नहीं है, बल्कि भालूमाड़ा क्षेत्र के कदम टोला में कथित रूप से एक स्थायी अवैध शराब बिक्री केंद्र संचालित किया जा रहा है, जहां लाइसेंसी दुकान की तरह खुले तौर पर शराब बिक्री की जा रही है। लोगों का कहना है कि यदि आरोप सही पाए जाते हैं तो यह न केवल नियमों का उल्लंघन है, बल्कि क्षेत्र में अवैध कारोबार को बढ़ावा देने वाला मामला भी है। लोगों का कहना है कि जब कुछ उपभोक्ताओं ने निर्धारित मूल्य पर बिक्री की मांग की तो विवाद और अभद्र व्यवहार जैसी शिकायतें भी सामने आईं नागरिकों ने यह भी आरोप लगाया कि शिकायतों के बावजूद प्रभावी नियंत्रण नहीं दिख रहा है। स्थानीय लोगों ने चिंता जताई कि आवासीय क्षेत्रों तथा सार्वजनिक स्थलों के आसपास शराब की उपलब्धता बढ़ने से सामाजिक माहौल प्रभावित हो रहा है उनका कहना है कि युवाओं में नशे की प्रवृत्ति को लेकर परिवारों में चिंता बढ़ रही है और कई परिवार आर्थिक एवं सामाजिक दबाव महसूस कर रहे हैं।

नागरिकों ने पुलिस प्रशासन, आबकारी विभाग एवं जिला प्रशासन से मांग की है कि क्षेत्र में विशेष जांच अभियान चलाया जाए, शराब दुकानों पर निर्धारित दरों की जांच की जाए, कथित पैकारी नेटवर्क और अवैध बिक्री केंद्रों की पड़ताल की जाए तथा अनियमितता पाए जाने पर सख्त कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।

इनका कहना है

यदि शराब दुकान से प्रिंट रेट से अधिक कीमत पर शराब बेची जा रही है तो उसे तत्काल बंद करवाया जाएगा। प्रिंट रेट से अधिक में शराब बिक्री नहीं होने दी जाएगी रही बात पैकारी की तो पैकारी भी नहीं होने दी जाएगी और कदम टोला में संचालित बताए जा रहे शराब बिक्री केंद्र को भी शीघ्र बंद कराया जाएगा।

कृष्णाकांत उईक

आबकारी अधिकारी कोतमा

खबर संक्षेप

किसानों को डीएसआर विधि की दी गई जानकारी

कटनी। "समृद्ध किसान-समृद्ध मध्यप्रदेश" कृषक कल्याण वर्ष 2026 के अंतर्गत कलेक्टर आशीष तिवारी के मार्गदर्शन एवं उप संचालक कृषि श्रीमती अरुणिमा सेन के नेतृत्व में कृषक रथ द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों में भ्रमण कर किसानों को उन्नत कृषि तकनीकों की जानकारी दी जा रही है। इसी क्रम में मंगलवार को बहोरीबंद विकासखंड के ग्राम दादरसिहुड़ी एवं महगवां सहित विकासखंड ढीमरखेड़ा के ग्राम कटारिया में कृषक रथ पहुंचा, जहां किसानों को आधुनिक खेती के तरीकों से अवगत कराया गया।
कार्यक्रम के दौरान कृषि अभियांत्रिकी अधिकारी संदीप पीपाड़ा ने किसानों को धान की बोनी डीएसआर (डायरेक्ट सीडेड राइस) विधि से करने के फायदे बताए। उन्होंने बताया कि बदलते जलवायु परिवर्तन के दौर में पारंपरिक रोपाई के स्थान पर धान की सीधी बुआई अधिक लाभकारी है। इस विधि से श्रम, समय एवं लागत में कमी आती है तथा पानी की बचत भी होती है। इसके साथ ही किसानों को नरवाई प्रबंधन के महत्व की जानकारी दी गई और कृषि विभाग की विभिन्न योजनाओं के बारे में विस्तार से बताया गया। किसानों को योजनाओं का लाभ लेने हेतु प्रेरित किया।

जिला मिशन समिति गठित

कटनी। जिले में एकीकृत बागवानी विकास मिशन के क्रियान्वयन के लिए कलेक्टर आशीष तिवारी के निर्देश पर जिला मिशन समिति का पुनर्निर्धारण एवं गठन किया गया है। इस समिति में प्रशासनिक अधिकारियों और कृषि क्षेत्र के विशेषज्ञों सहित कुल 11 सदस्यों को शामिल किया गया है। जारी आदेश के अनुसार जिला मिशन समिति के अध्यक्ष कलेक्टर आशीष तिवारी होंगे जबकि सहायक संचालक, परियोजना अधिकारी उद्यान इसके सदस्य सचिव होंगे। साथ ही जिला पंचायत सीईओ, उप संचालक, किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग, वरिष्ठ वैज्ञानिक, कृषि विज्ञान केन्द्र, प्रबंधक, लीड बैंक कटनी, जिला प्रबंधक, म.प्र. राज्य कृषि उद्योग विकास निगम, जिला प्रबंधक, म.प्र. खादी तथा ग्रामोद्योग बोर्ड, जिला प्रबंधक, कृषि विपणन संघ, समन्वयक, ग्रामीण एवं शहरी आजीविका मिशन एवं वरिष्ठ उद्यान विकास अधिकारी को समिति का सदस्य बनाया गया है। यह समिति आवश्यकतानुसार समय-समय पर बैठकें आयोजित करेगी। बैठक के दौरान एकीकृत बागवानी विकास मिशन के दिशा-निर्देशों के अनुसार जिले की आवश्यकताओं को देखते हुए योजनाएं बनाई जाएंगी।

सिलौंडी के कई वार्डों में गहराया पेयजल संकट

सिलौंडी। सिलौंडी में गर्मी बढ़ने के साथ ही जलसंकट से लोगों को पीने के पानी हेतु भटकना पड़ रहा है। वार्ड 2,3 ,8 ,9, 15, 17 में नल जल योजना पानी नही पहुंच रहा है ।लोग पीने के पानी के लिए भटक रहे है। पंच शैलेंद्र मिश्रा,पंच नितिन राय ,पंच शिवकुमार पटेल ने बताया पिछले 6 दिनों से नल नही आ रहे है जिसके कारण आवश्यक काम छोड़कर पीने के पानी हेतु भटकना पड़ रहा है । सरपंच पंचों संतोष कुमार ने बताया गांव के कुछ वार्ड में पानी नहीं पहुंच रहा है टैंकर से पानी भेजने की व्यवस्था कर रही हूं।

रेलवे मजदूर कांग्रेस की बड़ी जीतः लिखित परीक्षा पास कर चुके 32 कर्मचारियों को मिला 'ट्रेन मैनेजर' का पदभार

शहडोल। बिलासपुररेलवे मजदूर कांग्रेस (SECRMC) के पुरजोर प्रयासों और प्रबंधन की संवेदनशीलता के चलते बिलासपुर मंडल में पदोन्नति का इंतजार कर रहे रेल कर्मचारियों को बड़ी सफलता मिली है। विभागीय लिखित परीक्षा पास कर और ट्रेनिंग पूरी कर चुके 32 कर्मचारियों को आखिरकार 'ट्रेन मैनेजर गुड्स' (गार्ड) के पद पर जॉइन करने के लिए भारमुक्त (रिलीज) कर दिया गया है।

यूनियन की मांग पर सीनियर DOM ने लिया त्वरित एक्शन

रेलवे मजदूर कांग्रेस बिलासपुर के महामंत्री पीतांबर लक्ष्मीनारायण के निर्देशानुसार एक उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल ने पिछले दिनों वरिष्ठ मंडल परिचालन प्रबंधक (सीनियर डीओएम) विशाल गर्ग से मुलाकात की थी। इस प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्वःमंडल समन्वयक (बिलासपुर) विजय अग्निहोत्री,जोनल कार्यकारी अध्यक्ष व सीआईसी प्रभारी लक्ष्मण राव,अतिरिक्त संयुक्त महामंत्री राजेश खोपारागड़े ने किया।
प्रतिनिधिमंडल ने 24 अप्रैल 2026 को सीनियर डीओएम को एक मांग पत्र (पत्र क्रमांकः एसईसीआरएमसी/सेन्ट्रल/बीएसपी/सीनियर डीओएम बिलासपुर/25/) सौंपा था। इसमें मांग की गई थी कि ट्रैफिक असिस्टेंट (पॉर्टर) से ट्रेन मैनेजर गुड्स की विभागीय परीक्षा और ट्रेनिंग पूरी कर चुके 42 रेल कर्मचारियों को बिलासपुर मंडल के विभिन्न स्टेशनों से तत्काल रिलीज किया जाए, ताकि वे नया पदभार ग्रहण कर सकें।

32 कर्मचारी रिलीज, शेष 31 मई तक होंगे भारमुक्त

रेलवे मजदूर कांग्रेस की इस न्यायसंगत मांग पर संवेदनशीलता दिखाते हुए सीनियर डीओएम विशाल गर्ग ने तत्काल अपने कार्यालय से आदेश जारी कर दिए। आदेश के तहत 42 में से 32 रेल कर्मचारियों को ट्रेन मैनेजर का पदभार ग्रहण करने हेतु भारमुक्त कर दिया गया है। यूनियन नेताओं ने बताया कि शेष बचे 10 कर्मचारियों को भी आगामी 31 मई तक हर हाल में रिलीज कर दिया जाएगा।

वित्तीय नुकसान से बचे कर्मचारी, जताया आभार

इस ऐतिहासिक कार्य और त्वरित पदोन्नति से ट्रेन मैनेजर बनने वाले रेल कर्मचारियों में खुशी की लहर है। प्रमोट हुए कर्मचारियों ने रेलवे मजदूर कांग्रेस का हृदय से आभार व्यक्त करते हुए कहाःरमजदूर कांग्रेस के समय पर किए गए प्रयासों की वजह से हम सभी का बड़ा वित्तीय (वेतनमान) नुकसान होने से बच गया। यूनियन ने हमारे हितों की रक्षा करते हुए हमें ट्रेन मैनेजर गुड्स का प्रमोशन दिलाया है, जो कि एक ऐतिहासिक कार्य है।

ज्ञापन सौंपने के दौरान ये रहे उपस्थित

मांग पत्र को सौंपने के दौरान रेलवे मजदूर कांग्रेस बिलासपुर मंडल की विभिन्न शाखाओं के सचिव और पदाधिकारी प्रमुख रूप से उपस्थित रहे, जिनमें आर. के. यादव (मंडल रनिंग शाखा)जावेद खान (उमरिया शाखा)बालकृष्ण बंगारी (शहडोल शाखा)एन. हेमंत कुमार (पेंड्रारोड़ शाखा) एस. के. श्रीवास्तव (रायगढ़ शाखा)पप्पू सिंह (करंजी शाखा) शामिल थे। उक्ताशाय की जानकारी जोनल प्रवक्ता गोपी राव ने दी।

साखी के जंगलों में हो रहा जंगली जानवरों का शिकार

जंगल भ्रमण नहीं करते बीट गार्ड और फॉरेस्टर।

ब्यौहारी। जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम साखी जो कि उपवन मंडल ब्यौहारी- के पूर्वी रेंज के अंतर्गत आता है वहां वन विभाग का मैदानी अमले के निष्क्रियता के कारण शिकारियों प्रतिदिन जंगली जानवरों को करंट लगाकर मरा जा रहा है और कोई आला अधिकारी ध्यान नहीं देते हैं वन्य प्राणियों के साथ क्या हो रहा है जबकि परमानेंट करंट लगाकर मारे जाते हैं अभी देखने के लिए यहां कई जगह लाइन लगाकर लकडी की खूटी गडाकर करंट से जानवर लगातार मारे जाते हैं ग्राम साखी के मऊहार टोला के दो बांध सेमरिहा और छपरिहा में बेमौसम हुई बारिश के कारण पानी भर गया और अब भीषण गर्मी में

पानी पीने के लिए जंगली जानवर यहां आ जाते हैं इसी का फायदा उठाकर शिकारियों द्वारा यहां पर करंट लगाकर शिकार किया जा रहा है हमारे संवाददाता जब वहां पहुंचे तो खूंटी और तार लगा पाया गया एवं जंगली सूअर के कई पैरों के निशान भी पाए गए इसका मतलब कि शिकारियों द्वारा कुछ सवारों को अपने करंट में फंसा कर जब उनकी मौत हो गई तो शिकार करके घर ले गए सखी बीट में पदस्थ बीट गार्ड को कई महीनो से नहीं देखा गया है इसी तरह से फॉरेस्टर भी कभी दिखाई नहीं देते इस कारण से शिकारी के हौसले दिनों दिन बूलंद होते जा रहे हैं क्षेत्र के लोगों ने वन विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों से बेजुबान जानवरों का शिकार कर रहे शिकारी के खिलाफ अभियान चला कर ठोस कार्रवाई करने की मांग की है।

कोतमा के ग्रामीण क्षेत्रों में पहुंचा कृषि रथ

कोतमा। कृषक कल्याण वर्ष के अंतर्गत कलेक्टर हर्षल पंचोली एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत के मार्गदर्शन में जिले में कृषि के आधुनिकीकरण एवं किसानों की आय में वृद्धि के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। इसी क्रम में किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग के उप संचालक अवनीश चतुर्वेदी के निर्देशन में विकासखंड कोतमा की ग्राम पंचायत कोठी, उमरदा, छतई एवं पकरिहा में कृषि रथ 2026 का भ्रमण कराया गया। इस दौरान रथ प्रभारियों एवं विभागीय अधिकारियों ने ग्रामीण क्षेत्रों में पहुंचकर किसानों से सीधा संवाद किया तथा उन्हें उन्नत कृषि तकनीकों एवं वर्तमान कृषि कार्यों की विस्तृत जानकारी प्रदान की। कार्यक्रम में उपस्थित कृषि विशेषज्ञों एवं अधिकारियों ने किसानों को ग्रीष्मकालीन गहरी जुताई के महत्व के बारे में बताते हुए इसे भूमि संरक्षण और बेहतर उत्पादन के लिए आवश्यक बताया। साथ ही, मिट्टी की उर्वरा शक्ति बनाए रखने हेतु जैविक

खाद के अधिकाधिक उपयोग पर विशेष जोर दिया गया। आगामी खरीफ सीजन को ध्यान में रखते हुए शासन की डिजिटल पहल ई-विकास प्रणाली टोकन व्यवस्था की जानकारी किसानों को दी गई, जिसके माध्यम से रासायनिक खाद की सुगम उपलब्धता सुनिश्चित की जाएगी। कृषि के आधुनिकीकरण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से पैडी ट्रांसप्लांटर (धान रोपाई मशीन) के माध्यम से धान की बुआई हेतु इच्छुक किसानों के चयन को लेकर भी चर्चा की गई। विभागीय अमले द्वारा किसानों को मिट्टी का नमूना लेने एवं उसकी जांच कराने की विधि समझाई गई तथा सॉइल हेल्थ कार्ड के लाभों की जानकारी दी गई। कार्यक्रम के दौरान "कृषि रथ गांव-गांव आया है, खुशियां लाया है, कृषि की तकनीक अपनाना है, कृषि से आय बढ़ाना है" संदेश के माध्यम से किसानों को आधुनिक कृषि तकनीक अपनाने के लिए प्रेरित किया गया। इस जागरूकता कार्यक्रम में रथ प्रभारी संतोष पाटीदार, रवीन्द्र विरला, डीके बुनकर सहित कृषि एवं संबद्ध विभागों के अधिकारी, स्थानीय जनप्रतिनिधि तथा बड़ी संख्या में प्रगतिशील कृषक उपस्थित रहे।

विकासखंड स्तरीय बैंकर्स समिति की बैठक संपन्न

उमरिया। विकासखंड स्तरीय बैंकर्स समिति की बैठक जनपद पंचायत कार्यालय के सभा कक्ष, मानपुर में जिला अग्रणी प्रबंधक सेवकराम सोनवानी की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक का उद्देश्य वार्षिक ऋण योजना की उपलब्धियों की समीक्षा करना तथा सरकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन को सुनिश्चित करना था।
बैठक में ऋण प्रवाह बढ़ाने के लिए बैंकों को कृषि, सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योग (एमएसएमई) तथा ग्रामीण स्टार्टअप जैसे प्राथमिकता क्षेत्रों में ऋण वितरण तेज करने के निर्देश दिए गए। नाबार्ड की पहल के तहत जिला विकास प्रबंधक (डीडीएम) नाबार्ड ने एनआरएलएम योजना के अंतर्गत संयुक्त देयता समूह एवं स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से ग्रामीण ऋण व्यवस्था को मजबूत करने पर जोर दिया।केसीसी संतृप्ति के लिए वित्तीय संस्थानों एवं कृषि विभाग को मिलकर सभी पात्र किसानों और पशुपालकों को शत-प्रतिशत किसान क्रेडिट कार्ड उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए। बैठक में पीएम मुद्रा योजना, पीएम विश्वकर्मा योजना, पीएम स्वनिधि योजना, पीएमएफएमई योजना, पीएम स्वरोजगार योजना, मुख्यमंत्री उद्यम क्रांति योजना, आचार्य विद्यासागर योजना तथा जनजातीय विभाग द्वारा संचालित विभिन्न प्रमुख योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की गई। साथ ही बैंकों को लंबित ऋण प्रकरणों को कम करने के निर्देश भी दिए गए। सरकारी योजनाओं में बढ़ते एनपीए को ध्यान में रखते हुए संबंधित विभागों को प्रकरण तैयार करने तथा वसूली में बैंकों को सहयोग प्रदान करने के निर्देश दिए गए। आरआरसी प्रकरणों में तहसीलदार से समन्वय स्थापित कर वसूली प्रक्रिया में सहयोग लेने की बात कही गई। साथ ही सीएम हेल्पलाइन एवं जनसुनवाई में प्राप्त शिकायतों के त्वरित निराकरण के निर्देश भी दिए गए। बैठक के अंत में बैंकों और सरकारी विभागों के बीच बेहतर समन्वय बढ़ाने पर जोर दिया गया, ताकि वित्तीय समावेशन का लाभ मानपुर विकासखंड सहित जिला उमरिया के ग्रामीण क्षेत्रों तक पहुंच सके। बैठक में जिला विकास प्रबंधक नाबार्ड, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत मानपुर, स्थानीय बैंक शाखा प्रबंधक तथा कृषि, उद्यानिकी, पशुपालन, मत्स्य,जनजातीय, ग्रामीण विकास एवं जिला व्यापार एवं उद्योग विभाग के प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

नशा माफियाओं की रीढ़ तोड़ने में जुटे एसपी

बीते सालों में दबोचे गए सैकड़ों नशे के सौदागर

शहडोल। जिले को नशे के काले कारोबार से पूरी तरह मुक्त कराने के लिए शहडोल पुलिस कप्तान (एसपी) रामजी श्रीवास्तव ने नशा माफियाओं के खिलाफ एक ऐसा चौतरफा महायुद्ध छेड़ दिया है, जिससे अपराधियों के हौसले पस्त हो चुके हैं। भारत सरकार के एनडीपीएस मुक्त भारत अभियान को जमीन पर उतारते हुए एसपी रामजी श्रीवास्तव के कडक और असरदार नेतृत्व में शहडोल पुलिस लगातार अवैध गांजा, कफ सीरप, नशीली टैबलेट, इंजेक्शन और स्मैक के सिंडिकेट को नेस्तनाबूद कर रही है। कप्तान के साफ निर्देश हैं, नशे के सौदागरों को या तो सलाखों के पीछे भेजो या फिर जिला बदर करो।
एसपी रामजी श्रीवास्तव की आक्रामक रणनीति का ही नतीजा है कि जिला पुलिस ने वर्ष 2020 से लेकर 18 मई 2026 तक नशे के तस्करों के खिलाफ ताबड़तोड़ कार्रवाई की है। इस छह साल के

रिकॉर्ड पर नजर डालें तो पुलिस ने कुल 451 से ज्यादा गंभीर मामले दर्ज कर लगभग 925 नशा तस्करों को घुटनों पर ला दिया है। इस दौरान पुलिस ने करीब 9,911 किलोग्राम गांजा और 88,014 से अधिक नशीले कफ सीरप, टैबलेट व इंजेक्शन जब्त कर माफियाओं की आर्थिक कमर तोड़ दी है।
विशेष रूप से, युवा पीढ़ी को खोखला कर रहे स्मैक के जहर पर एसपी रामजी श्रीवास्तव ने सबसे करारा प्रहार किया है। साल 2025 में जहां 22.61 ग्राम स्मैक पकड़ी गई थी, वहीं इस साल 18 मई 2026 तक ही कप्तान की विशेष टीमों ने रिकॉर्ड 29.39 ग्राम स्मैक जब्त कर ली है। यह आंकड़े गवाही दे रहे हैं कि कप्तान की पैनी नजर के कारण नशे के सप्लायरों का नेटवर्क पूरी तरह ध्वस्त हो चुका है। नशे के इस काले साम्राज्य को जड़ से उखाडने के लिए एसपी रामजी श्रीवास्तव ने अब और भी कड़ा रुख अख्तियार कर लिया है। पुलिस की आंखों में धूल झोंककर भाग रहे 4 बड़े फरार आरोपियों विश्वनाथ शर्मा उर्फ बुढवा, राजेश पटेल उर्फ दादू पटेल, विकास जयसवाल और राहुल लोधी की गिरफ्तारी के लिए कप्तान ने प्रत्येक पर 10,000 रुपये का नकद इनाम घोषित कर दिया है।
एसपी रामजी श्रीवास्तव ने दोटूक लहजे में आम जनता से अपील की है कि शहडोल को पूर्ण नशामुक्त बनाने के इस अभियान में पुलिस का साथ दें। इन फरार अपराधियों या नशे के किसी भी अवैध ठिकाने की सूचना तुरंत नजदीकी थाने को दें, सूचना देने वाले का नाम पूरी तरह गुप्त रखा जाएगा। शहडोल पुलिस का यह आक्रामक रुख साफ संदेश दे रहा है कि जिले में अब नशा माफियाओं की खैर नहीं है!

ग्रामो में दल ट्रांजिट वाक कर शासकीय योजनाओं के सेचुरेशन की ले रहे हैं जानकारी

शहडोल। शासन द्वारा पीएमजनमन योजना एवं धरती आबा तथा उत्कर्ष ग्राम योजना के तहत जिले में चिन्हित 402 ग्रामों में गठित दलों द्वारा ट्रांजिट वाक करते हुए जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। साथ ही आमजनमानस को शासन द्वारा संचालित हितग्राहीमूलक योजनाओं की जानकारी देकर प्राप्त हो रहे लाभों की जानकारी प्राप्त की जा रही है। अभियान का उद्देश्य जनजातीय वर्ग के लोगों को शासकीय योजनाओं से पात्रता अनुसार सेचुरेशन की स्थिति में लाना है। 21 मई से 23 मई तक प्रत्येक गांव में आदि सेवा केन्द्रों में जनसुनवाई के कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे तथा हितग्राहियों को पात्रता अनुसार जिन योजनाओं का लाभ नहीं मिला है, दस्तावेजों की मांग कर उनका पंजीयन एवं लाभ दिलाने का कार्य किया जाएगा। कलेक्टर डॉ. केदार सिंह द्वारा जनपद पंचायतों के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों को जनपद अंतर्गत जारी कैलेण्डर के अनुसार दैनिक गतिविधियां संचालित करने के निर्देश दिए गए हैं। शिविरों का आयोजन कर बैजा जनजाति के हितग्राहियों को शासन की विभिन्न हितग्राहीमूलक योजनाओं से संतृप्तिकरण का कार्य किया जाएगा। अनुभाग स्तर पर जनजातीय गौरव सप्ताह के आयोजन की जिम्मेवारी संबंधित अनुविभागीय अधिकारी राजस्व को सौंपी गई है।

आम रास्ता बंद कर 1000 में बांट रहे अवैध पार्किंग

राजनीतिक संरक्षण के चलते पुलिस बनी मूकदर्शक

शहडोल। जिला मुख्यालय के वार्ड नंबर 13 में भू-माफियाओं और आदतन अपराधियों ने आतंक मचा रखा है। रसूख और राजनीतिक संरक्षण के दम पर इन दबंगों ने न केवल सरकारी जमीन को अपना चारागाह बना लिया है, बल्कि आम नागरिकों का जीना भी मुहाल कर दिया है। सरकारी अमले और पुलिस की सांठ-गांठ का आलम यह है कि शिकायतकर्ता द्वारा बार-बार लिखित गुहार लगाने के बावजूद आज तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। आखिरकार थक-हारकर पीड़ित एडवोकेट शुभदीप खरे ने कलेक्ट्रेट की जनसुनवाई में पहुंचकर कलेक्टर के सामने इन अपराधियों को जिला बदर करने की पुरजोर मांग उठाई है।

शासकीय भूमि पर कब्जा, फर्जी पट्टे का खेल

जनसुनवाई में सौंपे गए शिकायती पत्र के अनुसार, सिविल लाइन मोंटेसरी बाल मंदिर के पास रहने वाले पीड़ित का परिवार वर्ष 1968 से अपने पुश्तैनी मकान में शांतिपूर्वक निवास कर रहा है। लेकिन पिछले कुछ महीनों से इलाके के कुख्यात और आदतन अपराधी अजय नारायण पाठक, नरेन्द्र तिवारी, माया तिवारी और अनूप मिश्रा ने इनके घर के सामने की जमीन पर नजरें गड़ा दी हैं। आरोप है कि इन जालसाजों ने सोहागपुर की भूमि खसरा क्रमांक 1918 का एक फर्जी पट्टा तैयार किया और उसकी आड़ में बिना नजूल विभाग की अनुमति के शासकीय भूमि खसरा क्रमांक 1920 पर जबरन बाउंड्री वॉल (प्रीकास्ट) खड़ी कर दी।

लोक मार्ग को बना दिया उगाही का जरिया

भू-माफियाओं का दुस्साहस यहीं नहीं रुका। इन दबंगों ने सडक़ की 20 फीट जमीन को अपनी बपौती बताते हुए वहां एक ट्रक ईंटें फिंकवा दीं और आम रास्ता पूरी तरह ब्लॉक कर दिया। हद तो तब हो गई जब इन अपराधियों ने रिहायशी इलाके में नियमों को ताक पर रखकर तक्षशिला कोचिंग लाइब्रेरी का संचालन शुरू कर दिया। अब ये लोग इस लोक मार्ग का उपयोग अवैध पार्किंग के रूप में कर रहे हैं और बकायदा 1000 मासिक किराया वसूल कर कार एवं दोपहिया वाहन खड़े करवा रहे हैं। जब पीड़ित ने इस अवैध वसूली और रास्ते के अवरोध का विरोध किया, तो आरोपी उन्हें जान से मारने की धमकियां देने पर उतारू हो गए।

बुढ़ार से आकर शहडोल में फैला रहे अशांति

शिकायत में खुलासा हुआ है कि इन आरोपियों के खिलाफ बुढ़ार थाने में पहले से ही कई संगीन अपराध दर्ज हैं। ये आदतन अपराधी रोजाना बुढ़ार से शहडोल आकर विवाद खड़े करते हैं, जिससे पूरे इलाके की लोक शांति को गंभीर खतरा पैदा हो गया है। आरोपियों ने दहशत फैलाने के लिए स्कूल का एक बोर्ड भी उखाड़ कर फेंक दिया। हैरानी की बात यह है कि पूर्व में एसडीएम के आदेश पर पटवारी कुलदीप सिंह और राजस्व निरीक्षक भास्कर गौतम ने पुलिस की मौजूदगी में रास्ता खुलवाया था, लेकिन राजनीतिक दबाव के चलते आज तक न तो कोई पंचनामा रिपोर्ट पेश की गई और ना ही पुलिस ने रास्ता बंद करने का मामला दर्ज किया। पीड़ित द्वारा फरवरी और मार्च 2026 में लगातार पांच बार (24/02, 26/02, 08/03, 10/03 और 12/03) शहडोल थाने में लिखित शिकायत दी गई, लेकिन खाकी इन गुंडों पर मेहरबान बनी रही। अब पीड़ित ने भारतीय न्याय संहिता की सुसंगत धाराओं के तहत एफआईआर दर्ज कर इन गुंडों को शहडोल जिले से जिला बदर करने की सख्त मांग की है, ताकि सिविल लाइन इलाके को इस आतंक से मुक्ति मिल सके।

गंगा दशहरा पर जल संरक्षण के लिए जिलेभर में होंगे विशेष कार्यक्रम

शहडोल। कलेक्टर डॉ. केदार सिंह द्वारा गंगा दशहरा के अवसर पर 25 मई 2026 को जिले की समस्त ग्राम पंचायतों में जल संरक्षण एवं जल स्त्रोतों के पूजन कार्यक्रम आयोजित करने के निर्देश जारी किए गए हैं। यह आयोजन मुख्यमंत्री के मार्गदर्शन में संचालित जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत किया जाएगा। जारी निर्देशानुसार ग्राम पंचायत स्तर पर जल स्त्रोतों जैसे तालाब, कुएं, बावड़ी, नदी, हैंडपंप एवं अन्य पेयजल स्त्रोतों का पूजन, साफ-सफाई एवं संरक्षण संबंधी गतिविधियां आयोजित की जाएंगी। कार्यक्रम में जनभागीदारी सुनिश्चित करते हुए ग्राम विकास प्रस्फुटन समितियों, नवांकुर संस्थाओं एवं स्थानीय नागरिकों की सहभागिता भी रहेगी। कलेक्टर द्वारा मुख्य कार्यपालन अधिकारियों एवं संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया गया है कि पंचायत स्तर पर व्यापक जनसहभागिता के साथ जल संरक्षण के कार्य कराए जाएं तथा कार्यक्रम के आयोजन उपरांत प्रतिवेदन निर्धारित समय सीमा में प्रस्तुत किया जाए। गौरतलब है कि प्रदेशभर में जल संरक्षण को जन आंदोलन बनाने के उद्देश्य से जल गंगा संवर्धन अभियान संचालित किया जा रहा है, जिसके अंतर्गत जल स्त्रोतों के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए विभिन्न गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं।

कोयला चोरों की गंदी मानसिकता का शिकार हुई 20 वर्षीय युवती

बिजुरी में युवती की हत्या मामले में किया खुलासा, दो आरोपी गिरफ्तार

अनूपपुर जिले के बिजुरी थाना क्षेत्र में एक युवती के साथ हुई दरिंदगी, लूट और हत्या ने पूरे इलाके को झकझोर दिया है। रेलवे लाइन किनारे सुनसान जगह पर दोस्त के साथ बैठी युवती पर दो बदमाशों ने बीती देर शाम हमला कर दिया। विरोध करने पर नाबालिग युवक को पत्थर मारकर घायल किया गया और युवती को घसीटकर ले जाया गया। अस्पताल में इलाज के दौरान युवती की मौत हो गई। पुलिस ने तेजी दिखाते हुए घटना की सूचना मिलते ही महज आरोपियों की तलाश जारी कर दी, 2 आरोपियों को गिरफ्तार कर इस सनसनीखेज वारदात का खुलासा कर दिया है।

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर।

जिले के बिजुरी की शांत देर शाम उस वक्त खौफनाक मंजर में बदल गई जब कोरजा कालरी बाउंड्री के पास एक युवती और उसके नाबालिग साथी पर दो कोयला चोर दरिंदों ने हमला कर दिया। घटना सिर्फ छेड़छाड़ तक सीमित नहीं रही, बल्कि विरोध करने पर आरोपियों ने नाबालिग युवक को पत्थर से घायल कर युवती को सुनसान नाली की ओर घसीट लिया था हमलावरों के इरादे कब खूनी संघर्ष में बदल गया यह दोनों युवती और नाबालिक बच्चा समझ ही नहीं पाए। सर पर चोट लगने से नाबालिक बच्चा कुछ समय के लिए मूर्छित हो गया होश आने पर घायल युवक ने साहस दिखाते हुए आरोपियों से भिड़ंत की और एक आरोपी को दांत से काटकर पहचान का सुराग छोड़ दिया था। शोर मचाने पर दोनों आरोपी मौके से फरार हो गए, वारदात के बाद आरोपी मोबाइल, स्कूटी की चाबी और युवती का लोवर लेकर फरार हो गए थे। इस घायल अवस्था में युवती और उसके नाबालिक मित्र को गंभीर हालत में अस्पताल लाया गया। अस्पताल पहुंचाई गई युवती जिंदगी की जंग हार चुकी थी। घटना के बाद बिजुरी पुलिस हरकत में आई और तकनीकी जांच, मुखबिर तंत्र तथा मनोवैज्ञानिक पूछताछ के जरिए आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए युद्ध स्तर पर सघन सर्च ऑपरेशन रात भर चलाया जिसमें देर रात लगभग 3 बजे दोनों आरोपियों को दबोच लिया। पुलिस की यह कार्यवाही अब जिले में चर्चा का विषय बन गई है।

सुनसान जगह बनी वारदात का अड्डा

रेलवे लाइन रोड के पास बरगद के पेड़ के नीचे बैठी युवती और उसका नाबालिग साथी शायद यह नहीं जानते थे कि कुछ ही मिनटों में उनकी जिंदगी बदलने वाली है। रात के अंधेरे और सुनसान इलाके का फायदा उठाकर दो कोयला चोर आरोपी वहां पहुंचे और गाली-गलौज करते हुए युवती के साथ जबरदस्ती करने लगे। विरोध करने पर उन्होंने नाबालिग युवक पर पत्थर से जानलेवा हमला कर दिया जिससे वह गंभीर घायल हो गया। इस घटना ने इलाके की सुरक्षा व्यवस्था और सुनसान क्षेत्रों में बढ़ती आपराधिक गतिविधियों पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

घायल युवक की बहादुरी बनी पुलिस का सुराग

सिर पर हमला होने और घायल होने के बावजूद नाबालिग युवक ने हार नहीं मानी। उसने आरोपियों से भिड़ंत की और हाथापाई के दौरान एक आरोपी के सीने पर दांत से काट लिया था। यही निशान बाद में पुलिस जांच का अहम आधार बना जिससे आरोपियों की शिनाख्त हो सकी। युवक की बहादुरी ने न केवल खुद को बचाने की कोशिश की बल्कि पुलिस को अपराधियों तक पहुंचने का रास्ता भी दिया है। इस साहसिक संघर्ष ने पूरे मामले को नया मोड़ दिया और जांच टीम को मजबूत सुराग मिल गया था।

अस्पताल में टूटी जिंदगी की डोर

घटना के बाद गंभीर हालत में युवती को अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे बचाने की पूरी कोशिश की। लेकिन शरीर पर चोटों और गहरा मानसिक आघात के कारण इलाज के दौरान उसकी हृदय गति रुकने से मौत हो गई। युवती की मौत के बाद मामला और गंभीर हो गया तथा पुलिस ने हत्या की धारा जोड़ते हुए जांच तेज कर दी। एक सामान्य शाम का यह दर्दनाक अंत पूरे क्षेत्र में भय और आक्रोश का कारण बन गया। इस घटना में बाद लोगों में महिलाओं की सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ गई है।

पुलिस ने ऐसे खोला राज

घटना की सूचना मिलते ही बिजुरी पुलिस सक्रिय हो गई थी। जिले में नवागत पुलिस अधीक्षक विक्रांत मुराब के निर्देशन में विशेष टीम गठित कर संदिग्धों की तलाश शुरू की गई रही है। घटनास्थल से जुटाए गए जैविक साक्ष्य, स्थानीय सूचना तंत्र और तकनीकी जांच के आधार पर पुलिस ने कुछ ही घंटों में दो संदिग्धों को हिरासत में ले लिया। पूछताछ के दौरान दोनों टूट गए और अपना अपराध कबूल कर लिया है। आरोपियों के कब्जे से लूटा गया मोबाइल फोन और युवती का लोवर भी बरामद कर लिया गया है।

पुलिस टीम की तत्परता बनी चर्चा का विषय

इस सनसनीखेज अंधे कत्ल का खुलासा इतनी तेजी से होना पुलिस विभाग के लिए बड़ी उपलब्धि माना जा रहा है। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक जगन्नाथ मरकाम और एसडीओपी आरती शाक्य के मार्गदर्शन में बिजुरी पुलिस टीम ने लगातार दबिश देकर आरोपियों को गिरफ्तार किया है। निरीक्षक विकास सिंह सहित पूरी टीम ने तकनीकी और जमीनी जांच को साथ लेकर काम किया जिसका यह सार्थक परिणाम निकल कर सामने आया है। विशेष रूप से सुराग जुटाने वाली टीम की भूमिका अहम रही है।

गैस की किल्लत, लकड़ी बनी सहारा

अमरकंटक में फिर बढ़ी जलाऊ ईंधन की मांग

हरिभूमि न्यूज अमरकंटक।

मध्य प्रदेश के प्रमुख धार्मिक, पर्यटन एवं आध्यात्मिक तीर्थ स्थल पवित्र नगरी अमरकंटक में इन दिनों एलपीजी गैस सिलेंडर की उपलब्धता को लेकर उपभोक्ताओं को कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। स्थानीय स्तर पर लोगों का कहना है कि पहले जहां गैस सिलेंडर अपेक्षाकृत आसानी से उपलब्ध हो जाते थे, वहीं अब पंजीयन के बाद कई दिनों तक प्रतीक्षा करनी पड़ रही है। इसका असर घरेलू रसोई से लेकर होटल, भोजनालय एवं छोटे व्यावसायिक प्रतिष्ठानों तक महसूस किया जा रहा है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ऊर्जा आपूर्ति को लेकर बनी अनिश्चितताओं और स्थानीय वितरण संबंधी दिक्कतों की चर्चाओं के बीच लोगों का कहना है कि गैस की उपलब्धता प्रभावित हुई है। हालांकि आपूर्ति में कमी के कारणों की आधिकारिक पुष्टि संबंधित विभागों द्वारा ही की जा सकती है। एलपीजी सिलेंडर की सीमित उपलब्धता और तकनीकी प्रक्रियाओं जैसे मोबाइल नंबर एवं बैंक खाते से लिंकिंग के कारण अनेक उपभोक्ताओं को अतिरिक्त परेशानी उठानी पड़ रही है। परिणामस्वरूप कुछ परिवारों एवं छोटे व्यवसायों ने एक बार फिर पारंपरिक ईंधन जलाऊ लकड़ी की ओर रुख करना शुरू कर दिया है। स्थानीय लोगों के अनुसार अमरकंटक क्षेत्र में जलाऊ लकड़ी की मांग बढ़ने लगी है, जिससे लकड़ी के बोझ और गट्ठों के दामों में भी बढ़ोतरी देखी जा रही है। नगर के वार्ड क्रमांक 8 एवं 15, जमुना दादर क्षेत्र के राजू बैगा एवं गुड्डू बैगा ने बताया कि पहले गैस आसानी से मिलने के कारण लकड़ी की मांग लगभग समाप्त हो गई थी, लेकिन अब फिर लोग लकड़ी लेने आने लगे हैं। इस बदलती परिस्थिति में बैगा जनजाति की महिलाओं की भूमिका भी सामने आ रही है। महिलाएं जंगलों और आसपास के क्षेत्रों से जलाऊ लकड़ी एकत्र कर सिर पर बोझ रखकर नगर एवं बाजार तक पहुंचाती हैं और उसे बेचकर परिवार की आजीविका में सहयोग करती हैं। स्थानीय लोगों के अनुसार यह कार्य श्रमसाध्य होने के बावजूद परिवार की आय का महत्वपूर्ण साधन बन गया है। राजू बैगा एवं गुड्डू बैगा ने बताया कि एक कांवर में लगभग 50 किलो लकड़ी होती है और दिनभर की मेहनत के बाद मुश्किल से दो कांवर लकड़ी लाई जा पाती है। इस कार्य में परिवार की महिलाएं बराबर सहयोग करती हैं। उनका कहना है कि पहले उन्होंने लकड़ी बेचने का काम लगभग बंद कर दिया था, लेकिन गैस की मांग और उपलब्धता की स्थिति बदलने के बाद लोग फिर लकड़ी खरीदने लगे हैं। होटल संचालकों तथा अन्य जरूरतमंद लोगों द्वारा भी इसकी मांग बढ़ी है। एक ओर आधुनिक ईंधन व्यवस्था की चुनौती और दूसरी ओर जंगल आधारित जीवनशैली अमरकंटक की यह स्थिति बताती है कि जब गैस की लौ धीमी पड़ती है, तब कई घरों की रसोई आज भी लकड़ी के धुएं से ही जल उठती है।

रामपुर के जंगल में खतरनाक बिगड़ैल हाथी हुआ कैद

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। 47 दिनों से अनूपपुर जिले के साथ शहडोल जिले में आतंक का पर्याय बने एक दंतैल खतरनाक बिगड़ैल हाथी को बुधवार की शाम बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व के रेस्क्यू दल ने रेस्क्यू करते हुए अपने कैद में ले लिया है इस हाथी के द्वारा 47 दिनों के मध्य चार मनुष्यों एवं आठ पालतू मवेशियों पर बुरी तरह हमला कर मार डाला रहा जबकि दो बालक एवं एक पुरुष के साथ एक पालतू मवेशी को गंभीर रूप से घायल किया रहा। यह बिगड़ैल दंतैल हाथी जिसकी वर्तमान उम्र हाथी विशेषज्ञों द्वारा 18 से 22 वर्ष की गई है विगत 30 मार्च को छत्तीसगढ़ राज्य के कोरबा जिला अंतर्गत कटघोरा वन मंडल के जडगा वन परिक्षेत्र के जंगल में 7 माह से ठहरे 48 से अधिक हाथियों के समूह का सदस्य रहा है की आपस में बाद विवाद होने की संभावना व्यक्त की जा रही है के वाद विवाद होने बाद गुस्साए स्थिति में समूह से भगाए जाने या भाग कर छत्तीसगढ़ राज्य के मनेद्रगढ़ से मरवाही वन परिक्षेत्र से होते हुए 2 अप्रैल की रात 9 बजे मध्यप्रदेश के अनूपपुर जिला अंतर्गत जैतहरी क्षेत्र के इलाके में प्रवेश कर एक दिन जैतहरी के धनगवां बीट अंतर्गत आमापानी के जंगल में तीन अन्य हाथी साथियों के साथ दिन बिता खर देर रात तीनों हाथियों से अलग होकर अनूपपुर वन परिक्षेत्र के भोलगढ़, सोनमौहरी एवं पोंडी बीट के ग्राम पंचायत सोनमौहरी, सेंदुरी, हर्री के भगतबांध, पसला के मैरटोला, बरबसपुर के भोलगढ़ बरबसपुर, पोंडी के पोडी, मानपुर, खांड़ा के खांड़ा, खोलगढी, गीधाटोला, पिपरिया के सेवादार, कुसुमहाई होकर कठना नदी की सीमा को पार करते हुए एक सप्ताह से अधिक समय से शहडोल जिले के अमलाई थाना एवं वन परिक्षेत्र केशवाही के रामपुर बीट की जंगल में दिन के समय ठहर कर रात होते ही ग्राम पंचायत रामपुर के बेलिया, ग्राम पंचायत पड़रिया के पड़रिया, भमरहा, बैरिहा ग्राम पंचायत गिरवा के गिरवा एवं अन्य स्थानों पर निरंतर विचरण करते हुए 2 अप्रैल को वन परिक्षेत्र एवं वन मंडल मरवाही के शिवनी बीट अंतर्गत ग्राम पंचायत पोंडी के डडिया गांव से लगे जंगल में 55 वर्षीय व्यक्ति जो महुआ फल संग्रहण करने सुबह होने के पूर्व अंधेरे में जंगल गया था पर हमला कर स्थल पर मृत कर दिया, 26 अप्रैल की दोपहर वन परिक्षेत्र अनूपपुर के भोलगढ बीट अंतर्गत कुरियारी जंगल में चटुआ गांव से भोलगढ़ अपने घर आ रहे 6 सदस्य परिवार में से एक महिला प्रेमवती पाव पर हमला कर स्थल पर मृत करते हुए मृतिका के पति राम मनोज पाव एवं 6 वर्षीय पुत्र दीपक पांव पर हमला कर गंभीर रूप से घायल किया रहा, 30 अप्रैल की सुबह जिला मुख्यालय अनूपपुर से 5 किलोमीटर दूर स्थित ग्राम पंचायत पिपरिया के कुसुमहाई निवासी रामावतार कोल के 23 वर्षीया पुत्री जानकी कोल जो अपनी मां के साथ घर से सो कर उठकर सब्जी तोड़ने के लिए खेत जा रही थी तभी गांव के रोड में पीछे की ओर से आकर इस हाथी के द्वारा जानकी को पकड़कर पटक कर स्थल पर ही मार डाला रहा है साथ 7 एवं 8 मई की दरमियानी रात ग्राम पंचायत सेंदुरी के सेंदुरी गांव में जंगल के किनारे चार पालतू मवेशियों पर हमला कर दौड़ा दौड़ा कर गंभीर रूप से घायल कर चारों को मौत के घाट उतारते हुए छुलहा रेलवे फाटक के पास एक पालतू मवेशी पर देर रात हमला कर गंभीर रूप से घायल किया रहा 10 अप्रैल की रात ग्राम पंचायत सोनमौहरी के पिंचिंग टोला निवासी रामसहाय सिंह के खेत में बंधे दो पालतू मवेशी भैंस एवं भैंसा (पड़वा) पर गंभीर रूप से हमला कर दौड़ा दौड़ा कर स्थल पर ही मार दिया रहा 29 अप्रैल की रात ग्राम एवं ग्राम पंचायत सिणधरी के एक तालाब के पास सोच कर घर की ओर जा रहा 17 वर्षीय बालक पर हमला कर गंभीर रूप से घायल कर दिया रहा है 13 मई की रात शहडोल जिले के अमलाई थाना एवं वन परिक्षेत्र केशवाही के ग्राम पंचायत गिरवा में गौशाला के पास 55 वर्षीय छोटेलाल सिंह एवं उनके एक पालतू मवेशी पर हमला कर स्थल पर ही मृत कर दिया रहा इसके साथ सैकड़ो ग्रामीणों के घर खेत एवं बड़ी में देर रात अचानक पहुंचकर निरंतर नुकसान पहुंचना रहा है।

इस हाथी के आतंकी के कारण 20 से 25 ग्रामों के ग्रामीण रात रात भर जाग कर अपने एवं अपने परिवारों के सदस्यों की सुरक्षा करते रहे हैं वन विभाग के द्वारा इस बिगड़ैल एवं खतरनाक हाथी पर निरंतर निगरानी रखते हुए ग्रामीण जनों को विभिन्न माध्यमों से सतर्क एवं सचेत रहने की सलाह देते रहे हैं लेकिन यह हाथी सभी को चकमा देते हुए कई कई किलोमीटर का रास्ता रात के समय सफर तय करते हुए अपना पेट भरने के साथ तबाही मचाता रहा है इस हाथी के निरंतर आतंक की को देखते हुए अनूपपुर एवं शहडोल जिले के जन प्रतिनिधि रामलाल रौतेल अध्यक्ष मध्यप्रदेश राज्य अनुसूचित जाति जनजाति आयोग, शहडोल संसदीय क्षेत्र सांसद श्रीमती हिमाद्री सिंह, जैतपुर विधानसभा क्षेत्र विधायक जय सिंह मरावी, शहडोल जिले के जिला पंचायत सदस्य मनमोहन चौधरी, सामाजिक कार्यकर्ता भूपेश शर्मा, मोहन शर्मा, वन्यजीव संरक्षक अनूपपुर शशिधर अग्रवाल, रामपुर क्षेत्र के जनपद सदस्य एवं सभापति चंद्रकुमार तिवारी एवं अन्य जनों ने इस बिगड़े हाथी को अनूपपुर एवं शहडोल जिले की सीमा से रेस्क्यू के माध्यम से बाहर किए जाने की मांग मुख्यमंत्री, वनमंत्री के साथ वन विभाग के प्रदेश से लेकर संभाग एवं जिला स्तर के अधिकारियों से निरंतर किए जाने पर 3 दिन पूर्व बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व उमरिया के क्षेत्र संचालक डॉक्टर अनुपम सहाय, मुख्य संरक्षक शहडोल एमपी सिंह ने अधिकारियों के साथ केशवाही वन परिक्षेत्र के रामपुर बीट अंतर्गत बेलिया गांव के समीप रेस्क्यू हेतु स्थल का चयन कर सोमवार की रात रेस्क्यू दल सदस्यों के साथ रेस्क्यू स्थल पर पहुंचकर मंगलवार की दोपहर से इस बिगड़ैल हाथी के ठहराव स्थल बैरिहा एवं बेलिया गांव के मध्य स्थित जंगल में होने पर बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व के रामा, लक्ष्मण एवं सूर्या नामक हाथियों डॉक्टर एवं रेस्क्यू दल की टीम की मदद से खोजबीन कर सफलतापूर्वक रेस्क्यू करते हुए हाथी रेस्क्यू स्थल पर ला कर रखा गया है शहडोल एवं अनूपपुर जिले के जनप्रतिनिधियों एवं ग्रामीणों को विगत चार दिनों के मध्य इस आशय की होने पर की वन विभाग के द्वारा इस हाथी को बेहोश कर कॉलर आईडी लगाने बाद इसी क्षेत्र में स्वतंत्र विचरण हेतु छोड़ने की कोशिश की पर चिंतित एवं आक्रोशित रहे हैं इस बिगड़े हाथी के सुरक्षित रेस्क्यू हो जाने से अनूपपुर एवं शहडोल जिले की जनता इस हाथी के आतंक से मुक्ति मिल पायी है, वही चार हाथियों का समूह 153 दिनों तक निरंतर अनूपपुर, शहडोल एवं डिंडोरी जिलों में विचरण करने बाद विगत तीन दिनों पूर्व अनूपपुर जिले की सीमा को पार कर छत्तीसगढ़ राज्य के मरवाही इलाके में बुधवार की रात विचरण कर रहा है जिसके वापस अपने बड़े हाथी समूह जो छत्तीसगढ़ राज्य के कोरबा जिला अंतर्गत कटघोड़ा वन मंडल के जंडगा वन परिक्षेत्र में ठहरा हुआ है में जाकर मिलने की संभावना बन रही है। जनप्रतिनिधियों एवं ग्रामीणों ने राजस्व विभाग से हाथियों द्वारा किए गए नुकसान विभिन्न तरह के नुकसान पर संवेदनशील तरीके से राहत प्रकरण तैयार करते हुए समय पर पीड़ित जनों को आर्थिक सहायता दिए जाने की मांग की है।

गर्मियों में सैलानियों की बन रही पहली पसंद

कलेक्टर हर्षल पंचोली की पहल से पर्यटन नक्शे पर चमका अमरकंटक

भीषण गर्मी के बीच मध्यप्रदेश का पवित्र पर्यटन स्थल अमरकंटक इन दिनों देशभर के पर्यटकों की पहली पसंद बनता जा रहा है। जिला प्रशासन और मध्यप्रदेश टूरिज्म की संयुक्त पहल से यहां धार्मिक, प्राकृतिक और एडवेंचर पर्यटन को नया विस्तार मिला है। कलेक्टर हर्षल पंचोली के नेतृत्व में विकसित पर्यटन सुविधाओं ने अमरकंटक को नया स्वरूप दिया है, जिसके चलते गुजरात, महाराष्ट्र, दिल्ली सहित कई राज्यों से बड़ी संख्या में पर्यटक यहां पहुंच रहे हैं।

उमाशंकर (मुन्नू) पांडेय

अमरकंटक। सतपुड़ा पर्वत श्रृंखला की मेकल घाटी में बसा अमरकंटक अब केवल धार्मिक आस्था का केंद्र नहीं, बल्कि प्राकृतिक सौंदर्य, एडवेंचर और आध्यात्मिक पर्यटन का बड़ा हब बनकर उभर रहा है। जीवनदायिनी मां नर्मदा, सोन और जोहिला नदियों के उद्गम स्थल के रूप में प्रसिद्ध यह नगरी गर्मियों में पर्यटकों को सुकून और रोमांच दोनों प्रदान कर रही है। जिला प्रशासन और मध्यप्रदेश टूरिज्म द्वारा यहां विकसित किए गए केंटीलीवर ग्लास व्यू पॉइंट, बोटिंग, पैरासेलिंग और हॉट एयर बैलून जैसी गतिविधियों ने पर्यटकों को विशेष रूप से आकर्षित किया है। कलेक्टर हर्षल पंचोली के मार्गदर्शन में पर्यटन सुविधाओं के विस्तार और प्राकृतिक स्थलों के संरक्षण पर विशेष कार्य किया गया है। परिणामस्वरूप अमरकंटक की पहचान राष्ट्रीय पर्यटन मानचित्र पर और मजबूत हुई है। धार्मिक धरोहर, घने साल वन, जलप्रपात और वन्यजीवों की मौजूदगी इसे प्रकृति प्रेमियों के लिए अद्वितीय गंतव्य बना रही है।

धार्मिक आस्था और इतिहास का अद्भुत संगम

नर्मदा उद्गम मंदिर के कारण अमरकंटक देशभर में विशेष धार्मिक महत्व रखता है। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार कई ऋषि-मुनियों ने यहां तपस्या की थी। मां नर्मदा मंदिर के समीप स्थित प्राचीन कल्चुरीकालीन मंदिर समूह आज भी भारतीय स्थापत्य और संस्कृति की गौरवगाथा सुनाते हैं। वहीं जैन मंदिर में स्थापित विशाल अष्टधातु प्रतिमा श्रद्धालुओं को आकर्षित करती है। प्रशासन द्वारा इन स्थलों की बेहतर व्यवस्था और सौंदर्यीकरण किए जाने से धार्मिक पर्यटन को नई पहचान मिली है।

कलेक्टर की पहल से विकसित हुए आधुनिक पर्यटन आकर्षण

कलेक्टर हर्षल पंचोली के निर्देशन में जिला प्रशासन ने पर्यटन सुविधाओं को आधुनिक स्वरूप देने का प्रयास किया है। सोनमुड़ा और माई की बगिया जैसे स्थलों पर तैयार किए गए केंटीलीवर ग्लास व्यू पॉइंट पर्यटकों के आकर्षण का केंद्र बने हुए हैं। यहां से पूरी घाटी का विहंगम दृश्य दिखाई देता है। इसके अलावा रामघाट स्थित मेकल पार्क में बोटिंग, पैरासेलिंग और हॉट एयर बैलून जैसी एडवेंचर गतिविधियां युवाओं और परिवारों को खासा लुभा रही हैं। इन सुविधाओं ने अमरकंटक को पर्यटन के नए आयाम दिए हैं।

जंगल, झरने और वन्यजीव बना रहे यादगार अनुभव

अमरकंटक के घने साल वन और प्राकृतिक जलप्रपात पर्यटकों को प्रकृति के बेहद करीब ले जाते हैं। कपिलधारा, दुग्धधारा, रूद्रगंगा और शंभूधारा जैसे वॉटरफॉल अपनी प्राकृतिक सुंदरता के लिए प्रसिद्ध हैं। यहां जंगली केले के पेड़ों और पहाड़ी झरनों का अनोखा संगम देखने को मिलता है। अचानकमार वाइल्डलाइफ सेंक्चुरी और बांधवगढ़ राष्ट्रीय उद्यान से लगे होने के कारण पर्यटकों को हिरण, भालू, जंगली सूअर और कई बार बाघ के भी दर्शन हो जाते हैं। यही कारण है कि प्रकृति प्रेमियों और फोटोग्राफी प्रेमियों के लिए यह स्थान बेहद खास बन गया है।

देशभर से पहुंच रहे पर्यटक, बढ़ रही पर्यटन पहचान

गुजरात, महाराष्ट्र, पश्चिम बंगाल, केरल, तमिलनाडु, दिल्ली, उत्तरप्रदेश, छत्तीसगढ़ और ओडिशा सहित कई राज्यों से बड़ी संख्या में पर्यटक अमरकंटक पहुंच रहे हैं। सड़क, रेल और हवाई मार्ग से बेहतर कनेक्टिविटी भी पर्यटन बढ़ने का प्रमुख कारण बनी है। जिला प्रशासन द्वारा पर्यटकों की सुविधा, सुरक्षा और साफ-सफाई पर लगातार ध्यान दिया जा रहा है। इसका सकारात्मक असर अब साफ दिखाई देने लगा है। गर्मियों में जहां मैदानी इलाकों में लोग गर्मी से परेशान हैं, वहीं अमरकंटक का शांत, हराभरा और ठंडा वातावरण लोगों को राहत और आध्यात्मिक शांति दोनों प्रदान कर रहा है।

पशुपालन से लखपति दीदी बनने का महिलाओं ने लिया संकल्प

केल्हौरी में अंतर्विभागीय संगोष्ठी में दी गई महत्वपूर्ण जानकारी

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। कलेक्टर हर्षल पंचोली एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत के मार्गदर्शन में जिला अनूपपुर के ग्राम केल्हौरी (वृंदावन एवं क्षीरधारा) में एक दिवसीय अंतर्विभागीय संगोष्ठी एवं पशुपालक जागरूकता शिविर का सफल आयोजन किया गया। शिविर का मुख्य उद्देश्य ग्रामीणों को उन्नत पशुपालन, जैविक खेती तथा शासन की विभिन्न हितग्राही योजनाओं से जोड़कर उनकी आजीविका को सुदृढ़ बनाना था। कार्यक्रम की शुरुआत पशुपालन विभाग की टीम द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों में घर-घर जाकर पशुपालकों से संपर्क स्थापित करने के साथ हुई। इस दौरान पशुपालकों को उन्नत डेयरी प्रबंधन की महत्वपूर्ण

जानकारियां दी गईं। इसके पश्चात ग्राम पंचायत भवन में आयोजित मुख्य संगोष्ठी में पशुपालन, कृषि, उद्यानिकी, सहकारिता एवं ग्रामीण विकास विभाग के अधिकारियों ने पशुपालकों और स्व-सहायता समूह की महिलाओं से संवाद किया। विशेषज्ञों ने पशुओं में दुग्ध उत्पादन बढ़ाने के लिए कृत्रिम गर्भाधान, समय पर टीकाकरण तथा पौष्टिक हरे चारे के नियमित उपयोग पर विस्तृत जानकारी प्रदान की। संगोष्ठी में पर्यावरण संरक्षण एवं अतिरिक्त आय सृजन के उद्देश्य से गोबर से वर्मी कम्पोस्ट एवं उन्नत कम्पोस्ट खाद तैयार करने की वैज्ञानिक विधियों की भी जानकारी दी गई। शिविर का सबसे सकारात्मक पहलू स्व-सहायता समूह की महिलाओं की उत्साहपूर्ण भागीदारी रही। शासन की योजनाओं एवं तकनीकी जानकारी से प्रेरित होकर महिलाओं ने पूरे गांव में जागरूकता अभियान चलाने तथा नई दुग्ध सहकारी समिति गठित करने का निर्णय लिया। महिलाओं ने आधुनिक पशुपालन अपनाकर आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनने और 'लखपति दीदी' का लक्ष्य हासिल करने का संकल्प लिया। इस अवसर पर विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

जनगणना प्रचार रथ को कलेक्टर ने हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। 21 मई जिले में जनगणना कार्य के प्रति आमजन को जागरूक करने के उद्देश्य से जनगणना प्रचार रथ को कलेक्टर हर्षल पंचोली द्वारा कलेक्ट्रेट परिसर से हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। इस अवसर पर कलेक्टर हर्षल पंचोली ने कहा कि जनगणना देश के विकास एवं योजनाओं की आधारशिला है। इससे प्राप्त आंकड़ों के आधार पर शासन द्वारा शिक्षा, स्वास्थ्य, आवास, रोजगार, पेयजल एवं अन्य बुनियादी सुविधाओं की योजनाएं तैयार की जाती हैं। उन्होंने नागरिकों से अपील की कि वे जनगणना कार्य में पूर्ण सहयोग करें और प्रगणकों को सही एवं तथ्यात्मक जानकारी उपलब्ध कराएं। प्रचार रथ जिले के शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में भ्रमण कर नागरिकों को जनगणना के महत्व, प्रक्रिया एवं आवश्यक जानकारी से अवगत कराएगा। रथ के माध्यम से यह संदेश दिया जाएगा कि जनगणना में दी गई जानकारी पूर्णतः गोपनीय रखी जाती है तथा इसका उपयोग केवल सांख्यिकीय उद्देश्यों के लिए किया जाता है। इस अवसर पर अपर कलेक्टर दिलीप पाण्डेय, डिप्टी कलेक्टर सुश्री प्राशी अग्रवाल, जनगणना नोडल अधिकारी महेंद्र मिश्रा सहित अन्य अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।